डाक पंजीयन क्र. L/ RNP/म.प्र./ मन्दसौर/122/ 2024- 26

ई-पेपर www.guruexpress.live

बात आपकी, शब्द हमारे

गुरु एक्सप्रेस

सुबह का अख़बार

संपादक – **आशुतोष नवाल**

वर्ष 18 | अंक 125 | पृष्ठ 4 | मन्दसौर | गुरुवार 15 फरवरी 2024 | मूल्य 2 रुपया

टोल टैक्स: लागत से ज्यादा वसूली, सुविधाएं नहीं..!

मंत्री बोले-सीधे तौर पर ठेकेदार को नहीं ठहरा सकते जिम्मेदार

मंदसौर, 14 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। महू-नीमच राजमार्ग फोरलेन का जिले में लगभग 60 किमी से ज्यादा हिस्सा गुजरता है। इसमें कई जगह तो यातायात संकेतक लगे हुए हैं। लेकिन, डेंजर जोन वाले चौराहों, मार्ग संगम पर आने वाले शहर व गांवों सहित अधिकांश जगह संकेतक नहीं लगे हुए हैं। इसके चलते कई बार लोग आगे निकल जाते हैं। सबसे ज्यादा समस्या रतलाम व नीमच दोनों तरफ से मंदसौर आने वालों को होती हैं। इस तरह की कई कमियां देखने को मिल रही है। जो दुर्घटना का कारण बन रही है। स्थिति यह है कि टोल टेक्स के रूप में वसूली लागत से कई ज्यादा हो चुकी है। उदाहरण के लिए लेबड़ जावरा रोड की बात करें तो महज 426 करोड़ में बनाई गई इस रोड पर अब तक 1826 करोड़ रुपये की वसूली की जा चुकी है। इतना ही नहीं, हर साल 15 प्रतिशत तक टोल बढ़ाया भी जा रहा है। यह सिर्फ एक उदाहरण। यहीं स्थिति अधिकांश टोल टैक्स की है। आश्चर्य की बात है कि विभागीय मंत्री कह रहे हैं कि सीधे तौर पर ठेकेदार को इन सड़कों पर दुर्घटना के लिए जिम्मेदार नहीं ठहराया जा सकता।

विस में पूछे प्रश्न पर यह जवाब दिया मंत्री ने...

इधर विभागीय मंत्री राकेशसिंह का कहना था कि सड़क पर दुर्घटनाओं के लिए ठेकेदार को सीधे तौर पर जिम्मेदार नहीं ठहराया जा सकता। सड़क पर गड्ढे आदि के कारण हादसा हुआ हो तो ही ठेकेदार जिम्मेदार होता है। उन्होंने यह भी बताया कि टोल टैक्स की समय सीमा का बाकायदा अनुबंध होता है। बता दे कि मध्यप्रदेश विधानसभा में कांग्रेस के विधायक पंकज उपाध्याय और प्रताप ग्रेवाल ने टोल रोड के संबंध में सवाल पूछे। इसके जवाब में लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह ने बताया कि प्रदेश की 96 सड़को पर टोल टैक्स के रूप में 7,571 करोड़ रुपए वसूले गए।

रात में नहीं रहते हैं रेडियम युक्त स्टापर...

जिले के प्रमुख फोरलेन मार्ग पर पूरी तरह टोल वसूली हो रही हैं। इसके अलावा मंदसौर-चौमहला व मंदसौर-सुवासरा मार्ग पर भी टोल वसूली होती है। इसके बाद भी टोल कंपनी इन मार्गों र्पर सुविधाएं देने में काफी पीछे हैं। रात में प्रमुख मार्ग संगम व परिवर्तित मार्गों र्पर रेडियम युक्त स्टापर नहीं लगाए जाते हैं। अधिकांश स्थानों पर आने वाले शहर व व गांव के प्रवेश के बोर्ड लगे हैं पर वह रात में नजर नहीं आते हैं। डायवर्सन उस स्थान पर बनाया जाता है जहां पर सडक़ निर्माण कार्य चल रहा है। साथ ही बायपास पर भी इस तरह के डायवर्सन बोर्ड लगाना आवश्यक होते हैं। डायवर्सन बोर्डों का अभाव रहता है। दिन में तो किसी तरह से व्यवस्था बन जाती है। लेकिन, रात के समय में डायवर्सन मार्ग पर रेडियम युक्त संकेतक नहीं होने से बेहद चिंताजनक स्थिति बन जाती है। कई बार निर्माणाधीन सड़क और बायपास के परिवर्तित मार्ग पर हादसे होते हैं। दिन में फोरलेन स्टाफ के कर्मचारी तैनात नहीं रहते हैं रात की तो बहुत दूर की बात है।

तीसरी आंख का भी पहरा नहीं...

मंदसौर जिले के एकमात्र फोरलेन महू-नीमच राजमार्ग पर सबसे बड़ी समस्या रांग साइड चलने वालों की भी हैं। दो से तीन किमी का चक्कर बचाने के लिए मोटर साइकिल, चार पहिया वाहन चालक, ट्रैक्टर व अन्य छोटे वाहन चालक फोरलेन पर गलत साइड में चलते हैं। इन पर निगरानी के लिए टोल कंपनी को कैमरे लगाना चाहिये। दिन भर में

सैकड़ों वाहन इस तरह सफर करते हैं और छुट-पुट दुर्घटनाएं तो रोज होती ही हैं। कई बार बड़ी भी हो जाती हैं। सीसीटीवी कैमरे नहीं होने से हादसों के जिम्मेदार भी पकड में नहीं आ रहे हैं। कम दूरी तय करने व पेट्रोल-डीजल बचाने के लालच में हादसों को न्योता दे रहे हैं। फोरलेन की टोल कंपनी के जिम्मेदारों ने भी इस तरह के वाहन चालकों को रोकने के लिए किसी भी तरह से फोरलेन के कर्मचारी की तैनाती नहीं रहती है।

50 किमी तक भी नहीं है ले बाय...

फोरलेन व अन्य टोल मार्गों र्पर वाहन चालकों व यात्रियों की सुविधा के लिए ले बाय बनाना भी जरुरी हैं। और इसके लिए भी दो ले बाय के बीच की न्यूनतम दूरी 40 किमी होना चाहिए। इन जगहों पर वाहन खड़े करने के समुचित स्थान के साथ ही महिला व पुरुषों के लिए सुविधाघर व एक प्रतीक्षालय जैसा बड़ा कमरा बनाना होता हैं। जिसमें ट्रक चालक या अन्य लोग सुस्ता सके। फोरलेन पर ले बाय तो बने हैं पर उनके बीच की दूरी 50 किमी से भी ज्यादा है। इसके अलावा रोशनी की पर्याप्त व्यवस्था नहीं हैं। पानी भी कई बार रहता ही नहीं हैं। इससे यात्री भटकते रहते हैं। वहीं कुछ लोग पेट्रोल पंपों पर जाते हैं पर कई पेट्रोल पंप पर पेयजल तथा पुरुष और महिलाओं के अलग-अलग सुविधाघर मिल जाते हैं, पर रेस्ट एरिया नहीं होता है। अल्पाहार का भी इंतजाम नहीं होता हैं।

कम नहीं हो रहा आंकड़ा...

यातायात विभाग से मिली जानकारी के अनुसार सन् 2020 में जिले के अंदर 569 सडक़ दुर्घटनाएं हुई है। इनमें 589 लोग घायल हुए और 153 लोगों की मौत हुई है। जबकि उस साल 23 मार्च से लेकर एक जून तक लॉकडाउन लगा हुआ था। उसके बाद भी इतनी दुर्घटनाएं हुई थी। वही 2021 में 674 सड़क दुर्घटनाएं हुई है। इसमें 689 लोग घायल हुए और 193 लोगों की मौत हुई। 2022 में 648 सडक़ दुर्घटनाओं में 681 घायल हुए तो मरने वालों की संख्या 200 थी। बीते साल 2023 में सडक़ हादसों के ग्राफ में कुछ कमी जरुर देखी गई। लेकिन, मरने वालों की संख्या कम नहीं हुई। 2023 में 615 हादसों में 545 घायल हुए। वहीं 197 की मौत हुई।

सिंबाल पर नहीं लड़ा कोई चुनाव

सरपंच, जिपं सदस्य, मंडी अध्यक्ष, हुड़को संचालक के बाद सीधे राज्यसभा सांसद

मंदसौर, 14 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। भारतीय जनता पार्टी की केंद्रीय चुनाव समिति ने राज्यसभा के लिए होने वाले द्विवार्षिक चुनाव चुनाव को लेकर अपनी दूसरी और तीसरी लिस्ट जारी कर दी है। दूसरी लिस्ट में मध्यप्रदेश से चार और ओडिशा से एक नाम तय किया गया है। जबकि, तीसरी लिस्ट में गुजरात, महाराष्ट्र सहित अन्य राज्यो से राज्यसभा के लिए उम्मीदवारों की सूची जारी की गई है।

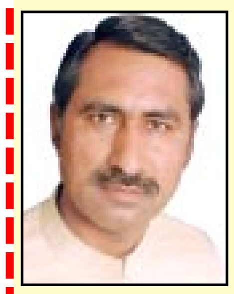

दूसरी लिस्ट में बंशीलाल गुर्जर को मध्यप्रदेश से राज्यसभा का उम्मीदवार बनाया गया है। बता दें कि भाजपा के चुनाव चिन्ह पर वरिष्ठ भाजपा नेता बंशीलाल गुर्जर ने एक भी चुनाव नहीं लड़ा। पूर्व में कृषि उपज मंडी अध्यक्ष रहे बंशीलाल गुर्जर अब सीधे राज्यसभा सांसद होगे। इसका कारण है कि भाजपा के पास विधायकों का बहुमत है। ऐसे में यह तय है कि भाजपा के चारों उम्मीद्वार राज्यसभा के लिए चुने जाएगे।

संसदीय क्षेत्र से राज्यसभा में जाने वाले चौथे जननेता...

महत्वपूर्ण बात यह है कि संसदीय क्षेत्र में अभी तक तीन राज्यसभा सांसद रहे हैं। जिसमें बालकवि बैरागी, रघुनंदन शर्मा और डॉ रघुवीरसिंह शामिल है। बता दे कि 63 साल के बंशीलाल गुर्जर वर्तमान में हुडको डायरेक्टर और किसान मोर्चा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष है। वे पोस्ट ग्रेजुएट है। इनकी धर्मपत्नी रमा देवी गुर्जर वर्तमान में मंदसौर नगर पालिका परिषद की अध्यक्ष है। कृषि व्यवसाय करने वाले बंशीलाल गुर्जर भाजपा जिलाध्यक्ष, किसान मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष, प्रदेश भाजपा महामंत्री और किसान मोर्चा राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सहित विभिन्न पदों पर रहे हैं। लंबे समय तक वे मंदसौर कृषि मंडी अध्यक्ष रहे। वे जिला पंचायत सदस्य भी रहे। उनकी धर्मपत्नि रमादेवी मंडी और जनपद की अध्यक्ष भी रही है।

रामलला के दर्शनो हेतु अयोध्या धाम के लिए पैदल रवाना हुए तेरसिंह बंजारा

गरोठ, 14 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। समीपस्थ ग्राम देथली बुजुर्ग निवासी और रामभक्त श्री तेरसिह पिता बाबूलाल जी खींची बंजारा देथली बुजुर्ग से अयोध्या धाम पहुंचने के लिए पैदल रवाना हुए। जहां वे रामलला के दर्शन कर क्षेत्र के कल्याण की याचना करेंगे।

बुधवार सुबह सरपंच मुकेश गौड़ ने श्री तेरसिंह को शुभकामनाएं देकर अयोध्या के लिए रवाना किया। उनकी पदयात्रा के लिए गांव सहित आसपास क्षेत्र के लोगो ने उन्हें शुभकामनाएं दी।

मौसम: खांसी-जुकाम के मरीजों की संख्या बढ़ी

कई पीड़ितों पर दवाओं का असर कम, ठीक होने में लग रहे कई-कई दिन

मंदसौर, 14 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। जिला मुख्यालय के निजी और सरकारी अस्पतालों की ओपीडी में इन दिनो खांसी-जुकाम के मरीजों की संख्या में काफी ईजाफा हुआ है। डॉक्टरों का कहना है कि अभी शहर सहित अंचल की बड़ी आबादी ऐसी खांसी से पीड़ित है, जिस पर दवाइयों का असर कम हो रहा है। इन्हें ठीक होने में भी 15- 20 दिन लग रहे हैं। खासकर बच्चों और बुजुर्गों में र्यह समस्या ज्यादा है। इसलिए डॉक्टर्स इसे एस-3 एन-2 का अपग्रेड वर्जन या फिर हाइपर रिएक्टिव एयर-वे डिसऑर्डर बता रहे हैं।

डॉक्टरों के मुताबिक सर्दी से गर्मी या गर्मी से सर्दी का सीजन आने पर मौसमी बीमारियों से ग्रसित मरीजों में ज्यादातर मामले अपर रेस्पिरेटरी इंफेक्शन (यूआरआई) के आते थे, लेकिन अब पैरा इन्फ्लुएंजा वायरस या पोस्ट वायरल इफेक्ट के मरीज ज्यादा हैं। मरीजों में खांसी के साथ ब्रोन्काइटिस के भी लक्षण हैं।

इन मरीजों की कोविड समेत दूसरे कॉमन वायरस की जांच रिपोर्ट निगेटिव आ रही है। आमतौर पर इन कॉमन वायरस के केस में मरीज को एक से डेढ़ हफ्ते का समय ठीक होने में लगता है। अब जो केस आ रहे हैं, उसमें खांसी इतनी जबरदस्त है कि मरीजों की पसलियों और छाती में दर्द शुरू होने के

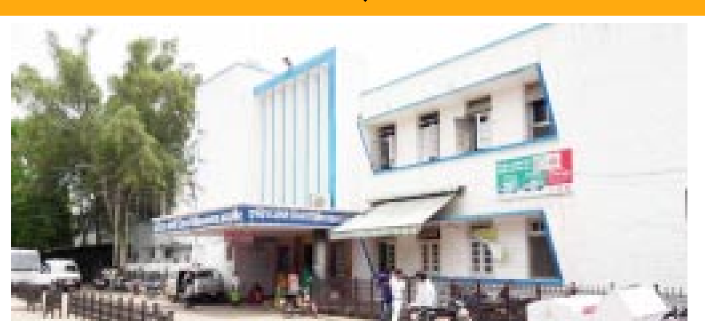

साथ खांसते-खांसते उल्टियां आने लगती हैं। लंबे समय तक होने वाली खांसी के प्रमुख कारणों में वायरस से इंफेक्शन, धूम्रपान, संक्रमण, अस्थमा, पोस्ट नेजल ड्रीप (बलगम नाक के रास्ते से ना होकर गले के रास्ते में पहुंचना), गेस्ट्रोइसोफेगल रिफ्लेक्स डिजीज जैसे अनेक कारण हैं।

यह करें मरीज...

डॉक्टरों के मुताबिक वायरस का एक पीरियड होता है, जो 10 दिन में चला जाता है। लेकिन, इस बार लंग्स में सूजन देकर जा रहा है। इसलिए इसे पोस्ट वायरस ब्रोन्काइटिस या हाइपर रिएक्टिव एयर-वे डिसऑर्डर कहा जा रहा है। दवा के साथ खट्टा ना खाएं। सांस फूलना, सांसों में सेचुरेशन होना या सीने में तेज दर्द होने पर तत्काल डॉक्टर को दिखाएं।

तापमान में उतार-चढ़ाव से बीमारियों की चपेट में काला सोना

मंदसौर, 14 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। मौसम में तापमान का उतार-चढ़ाव अफीम किसानों को परेशान कर रहा है। मंगलवार- बुधवार की रात मंदसौर शहर सहित जिले के कुछ क्षेत्रों में हल्की बूंदाबांदी हुई। बुधवार सुबह भी बादल छाए हुए थे। हालांकि, बारिश की संभावना नहीं बन रही। बादलों के छाए रहने से दिन और रात के तापमान में उछाल आया है।

तापमान में लगातार उतार-चढ़ाव के कारण अफीम की फसल कई बीमारियों की चपेट में आ गई है। किसानों ने बताया कि मौसम में लगातार उतार चढाव तथा नए सिस्टम एक्टिव होने से क्षेत्र में लगातार बादलों के छाए रहने के कारण अफीम की फसलों में नमी की वजह से एक सप्ताह के अंदर कई बीमारियों ने अफीम फसलों को अपनी जद में ले लिया है। इससे अफीम काश्तकारों के चेहरे पर चिंता की लकीरें खींच गई है। क्षेत्र में लगातार बादलों के छाए रहने के कारण अफीम की फसल के पौधों में डोडे का विकास नहीं हो पा रहा तथा पौधों में खाकरिया रोग सहित पीलापन दिनों दिन बढ़ता जा रहा है। रोग के कारण क्षेत्र में कई काश्तकार अफीम में चीरा लगाने में असमंजस की स्थिति में है। वही कई किसानों के अफीम में चीरा लगाने का कार्य भी प्रगति पर है।

बता दें कि इन दिनो अंचल में अधिकतम तापमान 25 डिग्री और न्यूनतम तापमान 13 डिग्री के आसपास बना हुआ है । अगले एक दो दिन और ऐसा ही मौसम रहेगा। बादल छटने के बाद तापमान में हल्की गिरावट आएगी। मौसम विभाग भोपाल के सीनियर वैज्ञानिक डॉ. वेदप्रकाश सिंह ने बताया कि अभी महाराष्ट्र के मराठवाड़ा इलाके के ऊपर चक्रवाती घेरा है। एमपी के रीवा संभाग के आसपास लोकल लेवल पर चक्रवाती घेरा है। इसकी वजह से दक्षिणी हवाएं एक्टिव है। वह बंगाल की खाड़ी से नमी ला रही है। इससे बुधवार को पूर्वी क्षेत्र में बूंदाबांदी की संभावना है। बादल अगले दो दिन तक रहेंगे। इसके बाद मौसम खुलने लगेगा। तब तक न्यूनतम तापमान में गिरावट नहीं होगी। सिस्टम गुजरने के बाद एक-दो डिग्री की ही गिरावट रहेगी।

कलेक्टर ने अफीम की खेती का जायजा लिया

नीमच, 14 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। कलेक्टर श्री दिनेश जैन ने जिला पंचायत सीईओ श्री गुरु प्रसाद एवं अन्य अधिकारियों के साथ जावद क्षेत्र के भ्रमण के दौरान ब्रह्मपुरी डीकेन मैं अफीम लाइसेंसी पटटाधारी किसान शांतिलाल पाटीदार के अफीम के खेत में जाकर अफीम खेती का जायजा लिया और किसानों से चर्चा कर अफीम के डोडो से चीरा लगाकर अफीम लूणने की प्रक्रिया के बारे में जानकारी ली इस मौके पर तहसीलदार श्री यशपाल मुजाल्दा जनपद सीईओ श्री आकाश धारवे मनासा के जनपद सदस्य श्री सुनील पाटीदार एवं कृषक गण उपस्थित थे।

नीमच गोलीकांड: फरार आरोपियों की तलाश जारी

कल्लू-जाफर को उठाया, खुलासा नहीं

मंदसौर/नीमच, 14 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। बीती 4 फरवरी को नीमच के विजय टॉकिज से लॉयन पार्क मार्ग पर शाम के समय समाजसेवी और शराब कारोबारी अशोक अरोरा गंगानगर पर हुए जानलेवा हमले के मामले में पुलिस चारो गिरफ्तार आरोपियों से लगातार पूछताछ कर रही है। यह सभी आरोपी 19 फरवरी तक रिमांड पर है। इधर रैकी करने वाले बदमाश मंदसौर के मदारपुरा निवासी कल्लू पिता रशीद शाह और जफर पिता शाहिद शाह को पुलिस द्वारा उठा लिए जाने की खबर है। लेकिन, पुलिस ने इसका खुलासा नहीं किया है। उधर उदयपुर के शाहिद पिता एजाज हुसैन के साथ इंदौरी बदमाश आशिक को पकड़ने के लिए 7-8 टीमें लगातार दबिशे दे रही है।

पुलिस सूत्रो से मिली जानकारी के अनुसार अलग-अलग टीमे इंदौर, राजस्थान के कई शहरो के साथ ही रतलाम में संदिग्ध एरियो व परिजनो के यहां दबिशें दे रही हैं। सूत्रों की माने तो पुलिस ने रैकी करने वाले आरोपियों को मंदसौर से उठा लिया है। लेकिन, अधिकारी मामले में मौन हैं। जल्द ही आरोपियों की गिरफ्तारी की बात कही जा रही है। नीमच पुलिस कप्तान श्री अमित तोलानी ने बताया कि पूछताछ के लिए कई लोगों को ला रहे हैं। अभी कोई नई गिरफ्तारी नहीं हुई है। पूर्व की चार गिरफ्तारी ही है। इनसे पूछताछ जारी है। जल्द ही मामले में और खुलासा किया जाएगा।

ट्रेन की चपेट में आने से युवक की मौत

नीमच, 14 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। जिले के नयागांव-जावद रोड रेलवे स्टेशन पर एक युवक की ट्रेन की चपेट में आने से मौत हो गई। युवक गाड़ी नंबर 17013 अजमेर-हैदराबाद में बैठकर यात्रा कर रहा था। इसी दौरान मंगलवार रात करीब 11 बजे वह ट्रेन से गिर कर हादसे का शिकार हो गया। पुलिस को युवक की जेब से टिकट भी मिली है, जो निम्बाहेड़ा से नीमच तक का है। इसी दौरान ट्रेन से उतरते समय ये हादसा हुआ होगा। जानकारी के अनुसार हादसा इतना भीषण था की युवक का शरीर कई टुकड़ो में कटकर क्षतविक्षत हो गया। घटना की जानकारी स्टेशन मास्टर ने जीआरपी नीमच को दी। मौके पर पहुंची जीआरपी ने शव को नीमच के बड़े अस्पताल में पोस्टमार्टम के लिए भेजा। जहां पोस्टमार्टम के लिए शव रखा गया है। युवक की पहचान होने और परिजनों के आने के बाद शव का पोस्टमार्टम किया जाएगा। मामले में जीआरपी थाने के एसआई कन्हैयालाल भाटी ने जानकारी देते हुए बताया कि युवक की उम्र लगभग 30 साल के करीब हैं। उसके पास से... **शेष पेज 4 पर**

माता का श्रृंगार- गुप्त नवरात्रि की पंचमी पर महामाया नालछा माताजी का सोने चांदी के आभूषणों से मनमोहक श्रृंगार किया गया।

बंशीलाल गुर्जर का सांसद बनना मालवा में नए शक्ति केंद्र का उदय है...

मंदसौर/उज्जैन, 14 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। भाजपा की राजनीति में कोई कार्यकर्ता के रूप में 40 सालों से जाना जाने वाला नाम बंशीलाल गुर्जर पंचायत से अपनी राजनीति शुरू कर किसानों के साथ मंडी, जनपद, नगर पालिका का सफर करते हुए लगातार अपनी जनसाख में इजाफा करते रहे है। पिछले 20 सालों में होने वाले विधानसभा, लोकसभा चुनावों के पहले हर बार बंशीलाल गुर्जर का नाम चलता रहा था। किन्तु, प्रत्याशी नहीं बन पाए थे। बावजूद इसके भाजपा के प्रति समर्पण और काम करने का जज्बा इतना गहराया हुआ था कि प्रत्याशी न बनाए जाने के बाद भी संगठन ने जब-जब जो भी जिम्मेदारी सौंपी, बखूबी अंजाम देकर पार्टी प्रत्याशी को जीताने वाले नतीजे देते रहे थे।

खुद के प्रत्याशी न बनाए जाने पर हताशा उनके चेहरे पर कभी नजर नहीं आई। समर्थकों में हताशा फैली हो, तब भी अपनी जिम्मेदारी के साथ अपनी टीम को प्रत्याशियों को जीताने के लिए झोंक देते थे। देश-प्रदेश भर में जमीनी नेता के नाते कृषि जगत में नेतृत्व करते हुए उच्च स्तरीय जनसाख पा चुके बंशीलाल गुर्जर वर्तमान में राष्ट्रीय किसान मोर्चा के उपाध्यक्ष रहते महाराष्ट्र राज्य के प्रभारी होने के साथ हुडको के संचालक भी हैं। इन सब के साथ अब राज्यसभा सांसद भी नामांकित हो चुके हैं। लोकसभा चुनाव भी होने ही वाले हैं और इस बार भी माना जा रहा था की बंशीलाल गुर्जर सांसद प्रत्याशी बनने की दौड़ में है। पर भाजपा के शीर्ष नेतृत्व के नीतिकारों ने राज्यसभा के लायक मान जो अवसर दिया है, उससे भविष्य का राजनीतिक दृश्य भी स्पष्ट हो रहा है।

चन्द्रमोहन भगत

बीते एक दशक से जब से नरेंद्र मोदी सरकार बन भाजपा को देश में सबसे मजबूत राजनीतिक दल बनाने की योजना पर काम शुरू हुआ। तब से ही हरियाणा, असम, तेलंगाना, कर्नाटक, महाराष्ट्र के लोकसभा, विधानसभा चुनाव में मिले दायित्व को 20-20 दिन काम कर बंशीलाल गुर्जर ने जिस संजीदगी से काम किया था, वहीं वरिष्ठ संगठन की नजर में उनके नंबर बढ़ाता गया। जिसका नतीजा उन्हें राज्यसभा में नामांकित किया गया है। बंशीलाल भाजपा के ऐसे कार्यकर्ता बनकर मालवा में उभरे हैं कि जिसे पिछले 30 सालों से हर चुनाव में नाम चलता रहा, वह खुद पार्टी का काम करते रहे। पंचायत से लेकर जिला, संभाग फिर प्रदेश और राष्ट्रीय स्तर तक कार्यकर्ताओं और संगठन की नजर में जुझारू और समर्पित नेता का ओहदा पा चुके हैं। पद विहीन रहकर भी जनप्रियता पाते रहे। यह कह सकते हैं कि भाजपा की राजनीति में अब उनका परिचय कराने और करने की जरूरत नहीं है।

राज्यसभा सदस्य के रुप में नामांकित तो हाल में हुए हैं। जनप्रिय कार्यकर्ता बन पिछले 30 साल से स्थापित है। राजनीति के जानकारों का मानना है कि जमीन के एकदम नीचे की आखिरी सीडी से अपने धैर्य और समर्पित जज्बे के साथ काम करते हुए एक शक्ति केंद्र पहले ही बन चुके थे। और इतना अनुभव और धैर्य रखने वाले व्यक्ति को काम करने के लिए संगठन उपयुक्त मंच पर अवसर देता है तो वह अपनी सांगठनिक क्षमता, कर्मशिलता के कारण शक्ति केंद्र बनकर उभरता है। मालवा क्षेत्र में यही अवसर अब बंशीलाल गुर्जर को मिला है।

विचार-मंथन

मोदी सरकार की बड़ी कूटनीतिक कामयाबी

कतर में मौत की सजा पाए भारतीय मूल के आठ पूर्व नौसेना अधिकारियों की रिहाई निस्संदेह भारत की बड़ी कूटनीतिक कामयाबी है। करीब डेढ़ वर्ष पहले इन अधिकारियों को इजराइल के लिए पनडुब्बी तकनीक की जासूसी करने के आरोप में गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया था। इसकी सूचना न तो भारतीय दूतावास, और न उनके परिजनों को दी गई थी। दूसरे स्रोतों से जब उनके परिजनों को इसकी जानकारी मिली तो उन्होंने भारत सरकार से गुहार लगाई।मामला प्रकाश में आने के बाद भारत सरकार का विदेश मंत्रालय सक्रिय हुआ और इस संबंध में मध्यस्थता और बातचीत का सिलसिला शुरू हुआ था, प्रधानमंत्री ने भी वहां के शासक से इस संबंध में बात की थी। इसका असर यह हुआ कि करीब दो महीना पहले कतर में भारत के राजदूत को इन गिरफ्तार भारतीय नागरिकों से मिलने की इजाजत दी गई और फिर उनकी फांसी की सजा को कैद में बदल दिया गया। अब कतर सरकार ने उन्हें रिहा कर दिया है, मगर अभी तक मामले की ठीक-ठीक जानकारी सार्वजनिक नहीं की है। गौरतलब है कि ये भारतीय नागरिक नौसेना में अपनी सेवाएं दे चुके थे और उनमें से कई वरिष्ठ पदों पर रह चुके थे। अवकाश प्राप्त करने के बाद कतर की एक निजी नौसेना कंपनी के लिए सेवाएं दे रहे थे। सैन्य परियोजनाओं में दुश्मन देशों के लिए जासूसी के मामले कोई नई बात नहीं हैं। इसके लिए सरकारें अपना पुख्ता निगरानी तंत्र रखती हैं। कतर जैसे देशों में ऐसे अपराधों के लिए मौत की सजा का प्रावधान है, इसलिए जब भारतीय नागरिकों पर जासूसी का आरोप लगा, तो वहां की अदालत ने कड़ी सजा सुनाई थी। हालांकि यह मामला इसलिए सबको हैरान करने वाला था कि जिन अधिकारियों को फांसी की सजा सुनाई गई, वे भारतीय नौसेना के जिम्मेदार पदों का निर्वाह कर चुके थे और सैन्य परियोजनाओं की जासूसी के अंजाम से अच्छी तरह वाकिफ थे। उनसे ऐसी असावधानी या किसी लोभ में काम करने की उम्मीद नहीं की जा सकती थी। भारत सरकार का विदेश मंत्रालय अभी पूरे मामले की तह में जाने का प्रयास कर रहा है, पर प्रथम दृष्टया यही लगता है कि जरूर कतर सरकार के निगरानी तंत्र से जासूसी प्रकरण में तथ्य जुटाने को लेकर कोई चूक हुई थी। कई बार मुख्य साजिशकर्ता कोई और होता है और शक के आधार पर उसमें दूसरे लोग भी फंस जाते हैं। कतर के साथ भारत के संबंध बहुत मधुर हैं। पिछले हफ्ते ही उसके साथ भारत ने बीस वर्षों के लिए प्राकृतिक गैस आपूर्ति का बड़ा करार किया है। कई लोग पूर्व नौसैनिकों की रिहाई को इससे भी जोड़ कर देख रहे हैं, मगर कोई भी सरकार व्यापार के लिए अपनी राष्ट्रीय सुरक्षा से ऐसा समझौता नहीं कर सकती। सच्चाई तो यही है कि कतर सरकार ने इन पूर्व नौसैनिकों को गिरफ्तार करने और सजा सुनाने में कुछ जल्दबाजी दिखाई। उसने नियमों के मुताबिक भारत को इस मामले से अवगत नहीं कराया, न आरोपी पक्ष को अपनी सफाई का मौका दिया। दूसरे सूत्रों के मिली जानकारी के आधार पर भारत सरकार ने अपने नागरिकों की रिहाई की कोशिश शुरू की थी। अगर अंतरराष्ट्रीय अदालत में इसे चुनौती दी जाती, तो कतर का पक्ष कमजोर साबित होता। फिर, अगर सचमुच भारतीय नागरिकों की जासूसी में संलिप्तता रही होती और उसके पुख्ता प्रमाण कतर सरकार के पास होते, तो वह उसे छिपाने का प्रयास नहीं करती।

बिहार की राजनीति में अभी खत्म नहीं हुआ है खेल...

अभिरंजन कुमार

129 विधायकों के समर्थन से नीतीश कुमार की सरकार ने बिहार विधानसभा में अपना बहुमत तो सिद्ध कर दिया, लेकिन खेला करने के दावों और प्रतिदावों के बीच खेल का रोमांच अंत-अंत तक बिल्कुल वैसे ही बना रहा, जैसे लास्ट बॉल तक चले क्रिकेट मैच में देखने को मिलता है। आखिरकार जब विधानसभा के अध्यक्ष अवध बिहारी चौधरी के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव 112 के मुकाबले 125 सदस्यों के बहुमत से पास हो गया, तभी स्थिति स्पष्ट हो पायी कि नीतीश सरकार के पास न केवल पर्याप्त बहुमत मौजूद है, बल्कि असली खेला राष्ट्रीय जनता दल के साथ हो गया है, क्योंकि उसके तीन विधायक नीलम देवी, चेतन आनंद और प्रह्लाद यादव सदन के अंदर एनडीए पक्ष के साथ खड़े नज़र आए। एनडीए का समर्थन करने वाले तीन राजद विधायकों में से एक चेतन आनंद डीएम जी कृष्णैया हत्याकांड में उम्रकैद की सज़ा पाए बाहुबली आनंद मोहन के पुत्र हैं। आनंद मोहन को नीतीश सरकार ने पिछले ही साल बिहार जेल नियमावली 2012 में संशोधन करके रिहा कर दिया था। चेतन आनंद रविवार देर रात तक अन्य राजद विधायकों के साथ तेजस्वी यादव के आवास पर ही थे, लेकिन उन्हें वहां से निकालने के लिए पुलिस के इस्तेमाल से एक बड़ा राजनीतिक खेल हुआ। चेतन आनंद के परिवार ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई कि उन्हें तेजस्वी यादव के आवास पर

जबरन रोका गया है, जिसके बाद पुलिस तेजस्वी यादव के आवास पर पहुंच गई। इसके बाद चेतन आनंद वहां से जो निकले, तो विधानसभा में एनडीए कैम्प के साथ खड़े नज़र आए। वे ठाकुर यानी राजपूत समुदाय से आते हैं और उन्होंने राजद से अपने निकलने का आधार ठाकुर स्वाभिमान को बनाया। गौरतलब है कि राजद के राज्यसभा सांसद मनोज झा ने कुछ महीने पहले संसद में +ठाकुर का कुआं+ नाम की एक कविता पढ़ी थी, जिससे राजपूत समुदाय के अनेक लोग काफी आहत महसूस कर रहे थे। एनडीए का समर्थन करने वाली दूसरी राजद विधायक नीलम देवी उस बाहुबली अनंत सिंह की पत्नी हैं, जो फिलहाल जेल में बंद हैं और जिनके खिलाफ अनेकों संगीन मुकदमे दर्ज हैं। लिहाजा अपने बचाव की खातिर सत्ता का संरक्षण प्राप्त करना उनके लिए बेहद ज़रूरी है। पहले भी अनंत सिंह को नीतीश कुमार का बेहद करीबी समझा जाता था। यहां तक कि एनडीए-1 की सरकार के दौरान कई लोग उन्हें +छोटे सरकार+ तक कहा करते थे। राजद को छोड़कर एनडीए का समर्थन करने वाले तीसरे विधायक प्रह्लाद यादव रहे, जो राष्ट्रीय जनता दल के संस्थापक सदस्यों में माने जाते हैं। हालांकि उनकी छवि भी एक दबंग विधायक की ही है और वे वर्तमान उपमुख्यमंत्री विजय सिन्हा के इलाके से आते हैं। क्या उन्होंने विजय सिन्हा के प्रभाव के कारण एनडीए सरकार का समर्थन किया या फिर कोई अन्य डील हुई, यह अभी रहस्य के परदे में है। केवल एनडीए ने ही राजद के तीन विधायक नहीं तोड़े, बल्कि ऐसा लगता है कि राजद ने भी एनडीए के कई विधायकों को तोड़ने की भरपूर कोशिशें कीं। जनता दल यूनाइटेड और भारतीय जनता पार्टी के कम से कम पांच विधायकों को लेकर अंत तक सस्पेंस बना रहा, और वे काफी देर से सदन में हाजिर हुए। इनमें से एक जदयू विधायक संजीव का पता लगाने के लिए तो नीतीश सरकार को पुलिस का सहारा लेना पड़ा। आखिरकार पुलिस की निगरानी में ही उन्हें पटना लाया गया। चर्चा गरम है कि राजद के साथ मिलकर वे जदयू के कई विधायकों को तोड़ने की फिराक में थे। उनके खिलाफ पटना के कोतवाली थाने में जदयू विधायक बीमा भारती और दिलीप राय के अपहरण का केस भी दर्ज कराया गया है। विश्वास मत के परीक्षण के दौरान मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने चेतावनी भी दी है कि जिन लोगों ने भी उनके विधायकों की खरीद-फरोख्त करने की कोशिशें की हैं, उन्हें बख्शा नहीं जाएगा। नीतीश कुमार ने खुला आरोप लगाया कि एनडीए के कई विधायकों को विरोधी खेमे ने अपने पाले में करने के लिए लाखों रुपये का ऑफर दिया था। बिहार में खेला होने के दावों और कयासों के बीच पूर्व मुख्यमंत्री जीतनराम मांझी और उनके चार विधायकों को लेकर भी अफवाहों का बाज़ार गर्म रहा। जीतनराम मांझी ने नीतीश मंत्रिमंडल में अपनी पार्टी से केवल एक मंत्री बनाये जाने के प्रति खुलकर नाराज़गी जताई थी और यह भी कहा था कि विपक्षी खेमे से उन्हें मुख्यमंत्री तक बनाये जाने के ऑफर मिल रहे हैं। ऐसे बयानों के कारण जीतनराम मांझी भी एक प्रमुख खिलाड़ी के रूप में उभरकर सामने आए। हालात की गंभीरता को भांपते हुए भारतीय जनता पार्टी ने उन्हें संभालकर रखने के लिए पूर्व प्रदेश अध्यक्ष, सांसद और केंद्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय को मोर्चे पर लगाया। अगर जीतनराम मांझी को भाजपा ने न संभाला होता, तो नीतीश कुमार के संभालने से वे संभलने वाले नहीं थे, क्योंकि उन्हें देने के लिए आज नीतीश कुमार के हाथ में कुछ भी नहीं है। सारी उठा-पटक के बीच नीतीश कुमार ने विश्वास मत तो हासिल कर लिया, लेकिन वे पूरी तरह निस्तेज दिखाई दिये। कारण यह कि संख्या बल होने के बावजूद उनमें अब नैतिक बल नहीं बचा है। मौजूदा विधानसभा का चुनाव 2020 में हुआ था और तब वे भाजपा के ही साथ थे। उनकी पार्टी की तुलना में लगभग दोगुनी सीटें जीतने के बावजूद भाजपा ने उन्हें मुख्यमंत्री बनाया, लेकिन प्रधानमंत्री बनने की महत्वाकांक्षा में नीतीश कुमार भाजपा का साथ छोड़कर विपक्षी गठबंधन में चले गए। जब विपक्षी गठबंधन में उनकी मुरादें पूरी नहीं हुईं, तो एक बार फिर से वे भाजपा के साथ आ गए हैं। इस प्रकार अपनी विभिन्न सरकारों पर कोई खतरा नहीं होते हुए भी केवल पाला बदल-बदल कर पिछले सवा तीन साल में उन्होंने तीसरी बार सरकार बनाई है। देखा जाए तो नीतीश कुमार स्वयं ही आज बिहार के लिए एक बहुत बड़ी समस्या बन गये हैं।

बढ़ते धरने-प्रदर्शन बढ़ा रहे हैं शहरों की मुश्किलें

अमिताभ स.

बीते साल 2041 धरने, 1627 प्रदर्शन, 929 जलूस, 472 बैठकें, 172 रैलियां, 107 बंद-हड़तालें और 2,985 विरोध मिलाकर सड़कों पर कुल 8,333 ऐसे कार्यक्रम हुए। इस प्रकार दिल्ली में कहीं न कहीं औसतन रोज करीब 23 प्रदर्शन-धरने हुए। जबकि 2022 के दौरान दिल्ली की सड़कों पर 5847 प्रदर्शन-धरने ही हुए थे। इस प्रकार साल भर में तमाम प्रदर्शन, रैलियां और धरने 70 फीसदी से ज्यादा बढ़ गए। सबसे ज्यादा दोगुने से ऊपर प्रदर्शन, धरने और जलूस बढ़े हैं, जबकि मार्च/ रैलियां और हड़तालें घटी हैं। सवाल उठता है कि ऐसे हालात में देश की राजधानी दिल्ली और प्रदेशों की राजधानियां कैसे चल पाएंगी? हालांकि प्रदर्शन-धरने को पूरी तरह रोका तो नहीं जा सकता क्योंकि संविधान का अनुच्छेद 19 (1) (ए) अभिव्यक्ति की आजादी का अधिकार देता है। लेकिन अनुच्छेद 19 (1) (ख) कहता है कि नागरिक अपनी मांग और किसी मुद्दे के विरोध के लिए शांतिपूर्ण तरीके से ही एक स्थल पर एकत्रित हो सकते हैं। साथ ही, अनुच्छेद 19(1)(3) उस पर कई तरह की पाबंदियां भी लगाता है। इसलिए छोटे- बड़े किसी भी पैमाने के धरना, प्रदर्शन, जलूस, रैली वगैरह के लिए पुलिस से पूर्व अनुमति लेना अनिवार्य है। कानून व्यवस्था बेशक राज्य का मसला है। इसको लेकर अलग-अलग राज्यों में थोड़ी-बहुत भिन्न-भिन्न व्यवस्था लागू है। मोटे तौर पर हर राज्य का पुलिस विभाग प्रदर्शन का मिजाज, लोकेशन, तारीख, समय, अवधि और सम्मिलित होने वाले लोगों की संख्या की पूर्व जानकारी लेकर ही इजाजत देता है। उस समय और स्थान पर ट्रैफिक, अति महत्वपूर्ण व्यक्तियों के आवागमन, कानून और व्यवस्था जैसे विभिन्न पहलुओं के मद्देनजर ही इजाजत दी जाती है। इजाजत देने के कुछ निर्धारित मापदंड हैं। रैलियों के आयोजकों को पुलिस सुझाती है कि तय मार्ग पर ही रहें और दूसरों को भड़काने वाली गतिविधियों से परे रहें। जनता की सहूलियत के लिए पुलिस अखबारों और सोशल मीडिया के जरिए ट्रैफिक एडवाइजरी जारी करती है। गौरतलब है कि धरना-प्रदर्शन में किसी प्रकार की हिंसा या उपद्रव की जगह नहीं है। मौलिक अधिकारों का हवाला देकर भी लाजिमी है कि कानून और व्यवस्था का पालन किया जाए। इसीलिए कुछ कारणों से धरना- प्रदर्शन की अनुमति नहीं दी जाती- पहला, अगर इससे

राज्य की सुरक्षा को किसी प्रकार का खतरा है। दूसरा, अगर इसके चलते पड़ोसी देशों के साथ संबंधों पर असर पड़ने की आशंका है। तीसरा, अगर इसके चलते आम जनजीवन के डिस्टर्ब होने की संभावना है। चौथा, अगर इससे अदालत की अवमानना का मामला बनता है। और पांचवां, अगर इससे देश की एकता और अखंडता पर खतरा खड़ा हो सकता है। जाहिर है कि अगर पुलिस को लगता है कि इससे शहर या इलाके की शांति भंग होने का अंदेशा है या तनाव या हिंसा के हालात पैदा हो सकते हैं, तो पुलिस इजाजत देने से इंकार कर सकती है। इजाजत देने के बावजूद पुलिस को प्रदर्शन-धरनों के दौरान सड़कों पर आए दिन चुनौतियों से दो-चार होना पड़ता है। ऐसे हालात तब बनते हैं, जब संभावित संख्या से अधिक प्रदर्शनकारी जुट जाते हैं या फिर प्रदर्शन उग्र रूप अख्तियार कर लेता है। क्योंकि सुरक्षा घेरा बनाने के लिए बैरिकेडिंग करने से लेकर महिला पुलिस बल की तैनाती तक हर प्रदर्शन- धरने के मिजाज मुताबिक पुलिस बल के इंतजाम किए जाते हैं। स्थलों और रास्तों पर दंगा रोकने वाले विशेष पुलिस वाहन तैनात किए जाते हैं। इनमें अश्रु गैस के गोले दागने वाले वज्र वाहन, वाटर कैनन और प्रदर्शनकारियों की धर- पकड़ के लिए सवारी बसों का इंतजाम शामिल है। हर हाल में सुरक्षा कायम रखने के लिए ड्रोन से हवाई नजर रखी जाती है। सी.सी.टी.वी. से लैस विक्रांत वाहन पुलिस बल को लाने-ले जाने के अलावा प्रदर्शनकारियों पर गहन गश्त करते हैं। प्रदर्शनकारियों को काबू करने के लिए पुलिस बल को समूची ट्रेनिंग दी जाती है क्योंकि इस दौरान पुलिस का संयम हरगिज नहीं डगमगाना चाहिए। प्रदर्शन रूद्र रूप ले, तो भी पुलिस बल को भावनाओं में बहने की जल्दबाजी नहीं करने के आदेश जारी किए जाते हैं। जैसे दिल्ली में दिन में ट्रकों और अन्य भारी वाहनों की आवाजाही पर रोक है, और रात को निर्धारित समय के बीच ही इनके संचालन की अनुमति है वैसे ही धरना-प्रदर्शन, आंदोलन और रैलियों को रात के वक्त ही सीमित क्यों नहीं किया जा सकता? अगर ऐसा हो जाए।

ये देश है वीर जवानों का

जनसंख्या वृद्धि की चुनौतियों पर विचार करने के लिए मोदी सरकार ने एक कमिटी गठित करने का फैसला किया है। लोकसभा में अंतरिम बजट पेश करने के दौरान यह ऐलान किया गया। समिति देखेगी कि आबादी बढ़ने के साथ डेमोग्राफी में किस तरह का बदलाव आ रहा है, खासकर सीमावर्ती इलाकों में। सुरक्षा संबंधी चुनौतियों के मद्देनज़र इसे ज़रूरी बताया जा रहा है। हालांकि देश में 2011 के बाद से जनगणना नहीं हुई है, लेकिन संयुक्त राष्ट्र की मानें तो पिछले साल ही हम चीन को पछाड़कर दुनिया की सबसे अधिक जनसंख्या वाला देश बन चुके हैं। अभी तीन दशक तक देश की आबादी बढ़ते रहने का अनुमान है। तीस साल बाद जनसंख्या का पीक आएगा। उसके बाद यह तेज़ी से घटेगी। जनसंख्या नियंत्रण कानून बनाने की मांग देश में लंबे समय से उठ रही है। सुप्रीम कोर्ट में भी याचिकाएं दाखिल की गईं, जिसने यह काम सरकार पर छोड़ दिया। 2019 में जनसंख्या विनियमन विधेयक भी लाया गया, जिसमें दो से ज्यादा बच्चे पैदा करने पर सरकारी योजनाओं से वंचित करने का प्रस्ताव था। 2022 में इसे वापस ले लिया गया। असम, उत्तर प्रदेश समेत कई राज्य इस दिशा में कुछ कदम उठा चुके हैं। हमारे यहां जनसंख्या नियंत्रण की बातें हो रही हैं, तो वहीं हमारा पड़ोसी चीन आबादी बढ़ाने की कोशिशों में लगा है। वही चीन, जो वन चाइल्ड पॉलिसी सख्ती से लागू करने के लिए जाना जाता रहा है। लेकिन अब, युवाओं की तेज़ी से घटती संख्या और बुज़ुर्ग आबादी बढ़ने कारण उसे 1980 से लागू इस पॉलिसी में ढील देने पर मजबूर होना पड़ा है। पिछले कई वर्षों से यह अपने नागरिकों को परिवार बढ़ाने के लिए प्रोत्साहित कर रहा है लेकिन बेरोज़गारी और अत्यधिक खर्च के कारण वहां लोग बच्चे पैदा ही नहीं करना चाह रहे। लगातार दूसरे साल चीन की जनसंख्या वृद्धि दर में बड़ी गिरावट दर्ज की गई है। एक्सपर्ट का मानना है कि साल दर साल घटती जन्म दर उसके आर्थिक विकास के लिए खतरा साबित हो रही है। आबादी घटने का क्रम जारी रहा तो देश जल्द ही बूढ़ा हो जाएगा और काम करने वाले लोगों की बेहद कमी हो जाएगी। अगले दस साल में वहां रिटायर्ड लोगों की संख्या 40 करोड़ से अधिक हो जाएगी। 2100 तक उसकी आबादी घटकर महज़ 76 करोड़ के करीब रह जाने का अनुमान है। चीन ही नहीं, दुनिया के कई और देश भी युवाओं की घटती आबादी से चिंतित हैं। युवाओं की संख्या घटना यानी वर्क फोर्स का कम होना। यही वजह है कि जर्मनी समेत कई यूरोपीय देशों के साथ ही कनाडा और जापान अपने दरवाज़े प्रवासियों के लिए खोल रहे हैं। यहां मज़बूत इन्फ्रास्ट्रक्चर मौजूद है, लेकिन काम करने वाले लोगों की बेहद कमी से अर्थव्यवस्था पर काफी असर पड़ रहा है। जापान का हाल तो सबसे खराब है। यहां आबादी तेज़ी से घट रही है और बुजुर्गों की संख्या बढ़ती जा रही है। वहां हर दस में से एक या इससे अधिक लोग 80 वर्ष से अधिक उम्र के हैं। निर्माण कार्य में जुटे लगभग एक तिहाई लोग 55 या इससे अधिक उम्र के हैं। किसानों की औसत उम्र 70 बरस है। खेतीबाड़ी के लिए श्रमिकों की इतनी कमी हो गई है कि दुनियाभर से लोगों को वहां के खेतों में काम करने के लिए आकर्षित किया जा रहा है। भारत से बड़ी संख्या में पढ़े लिखे युवा जापान के खेतों में काम करने जा चुके हैं। इन सबके बीच भारत आज दुनिया की सबसे अधिक युवा आबादी वाला देश है और यही विशाल वर्क फोर्स हमारा सबसे बड़ा प्लस पॉइंट भी है। देश में 15 से 64 साल की उम्र के लोगों की संख्या 65 फीसदी से अधिक है, यानी एक बड़ी वर्किंग पॉपुलेशन। दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर भारत के लिए दक्ष युवा शक्ति बहुत फायदेमंद साबित होने वाली है। 142 करोड़ से अधिक की आबादी वाला भारत आज दुनिया के लिए बहुत बड़ा बाज़ार है।

सुडोकू पहेली — क्रमांक- 5146

		2		6	1			9
8		5	4				7	6
6		4						
		3		5	2			
			8		7			
			9	3		2		
						1		2
3	6				8	4		7
2			1	4		9		

नियम : प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक अंक भरे जाने आवश्यक हैं, इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी व खड़ी पंक्ति में एवं 3x3 के वर्ग में अंक की पुनरावृत्ति न हो, पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।

सुडोकू पहेली क्र. 5145

7	3	2	5	6	1	8	4	9
8	1	5	4	2	9	3	7	6
6	9	4	7	8	3	5	2	1
1	8	3	6	5	2	7	9	4
4	2	9	8	1	7	6	3	5
5	7	6	9	3	4	2	1	8
9	4	8	3	7	5	1	6	2
3	6	1	2	9	8	4	5	7
2	5	7	1	4	6	9	8	3

वर्ग पहेली 5146

संकेत: बाएं से दाएं
1. बांग्लादेश के उत्तरी भाग में ब्रह्मपुत्र नदी का यह नाम है (3)
4. देश के सबसे पहले बांधों का निर्माण करने वाली नदी (3)
7. रस्म, रीति, प्रथा, चलन (3)
8. जो असत्य हो, जो उचित न हो (3)
9. ज्वालामुखी से निकलने वाला विस्फोटक पदार्थ (2)
12. जिसके साथ आत्मीयता का संबंध न हो, अन्य (2)
13. नया जमाना, नवीन दुनिया (4)
17. लिखा हुआ, अंकित (2)
18. आतंकभूमि, भय, डर (4)
20. घोड़े पर खेला जाने वाला गेंद और बल्ले का एक प्रकार का खेल, पोलो (3)
21. धेनु, गौ (2)
22. पथ, मार्ग, रास्ता (2)
23. [illegible] (2)
24. प्रातःकालीन का अर्धप्रकाश, प्रकाश की किरण (1)

ऊपर से नीचे
1. एक वस्तु के बदले दूसरी वस्तु देना (5)
2. औषधि, उपचार, चिकित्सा (2)
3. विशिष्ट किंतु अज्ञात बात, घटना का विवरण (3)
4. शास्त्रीय संगीत में एक रागिनी जो मेघराग की पुत्रवधू कही गई है (3)
5. दंगा-फसाद उपद्रव, बलवा (3)
6. दुर्व्यसन, बुरी आदत, कुटेव (2)
10. कोई ऐसी घटना जिसमें कोई अपराध हुआ हो (4)
11. मननशील, महात्मा, मनन करने वाला (2)
14. ईद की नमाज पढ़ने का स्थान (4)
15. दुष्ट व्यक्ति जिसकी भूमिका खल व्यक्ति की हो (3)
16. स्मरण रहने योग्य, स्मरणीय (4)
19. घोड़े को यह भी कहा जाता है (2)
20. चबूतरा, चबूतरे के रूप में बनी हुई वास्तु रचना (2)

वर्ग पहेली 5145 का हल

स	ते	छि	की	ना	य	डु	
ख	म	न		गा		ई	
ब			ती		अं	ड	का
ड	द	स		सु		क	अ
र	ह	म	दि	ल		प	ह
	न		ल	ह	र		
का	ली		य		ई	श	न
अ	ल	ज	र		स	न	म

आज का राशिफल

मेष — शुभांक-2-5-7
वृषभ — शुभांक-2-6-8
मिथुन — शुभांक-1-4-6
कर्क — शुभांक-2-4-6
सिंह — शुभांक-4-6-8
कन्या — शुभांक-5-7-8
तुला
वृश्चिक — शुभांक-2-6-7
धनु
मकर — शुभांक-4-7-9
कुंभ
मीन

मंदसौर नगर का विस्तार लगातार जारी, आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों को मिलाकर नगर निगम का दर्जा मिले- विधायक जैन

मंदसौर, 14 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। मंगलवार को विधानसभा में शून्यकाल के दौरान जनप्रिय क्षेत्रीय विधायक श्री विपिन जैन द्वारा मंदसौर नगरवासियों की बहुप्रतिक्षित मांग को विधानसभा में उठाते हुये मंदसौर नगर पालिका को नगर निगम का दर्जा दिये जाने की मांग रखी। शून्यकाल के दौरान विधायक श्री जैन ने इस संदभ में कहा कि मंदसौर नगर का विस्तार लगातार जारी है। वर्तमान में मंदसौर नगर पालिका की सीमा के बाहर भी कॉलोनियों का विस्तार होने के साथ ही शहरी आबादी निवास कर रही है। लगातार विस्तार के चलते वर्तमान में मंदसौर नगर की आबादी क्षेत्र संजीत मार्ग, सीतामऊमार्ग के अलावा महू नीमच रोड के साथ ही रेवास देवडा मार्ग के बायपास के दुसरी तरफ तक जा पहुंची है इस दृष्टी से आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों को मिलाकर मंदसौर नगर पालिका को नगर निगम का दर्जा दिया जा सकता है। विधायक श्री जैन ने कहा कि मंदसौर नगर पालिका का नगर निगम में उन्नयन होने से विकास के नए आयाम स्थापित होंगे और सुविधाओं का विस्तार होगा वहीं लंबे समय से जनता और जनप्रतिनिधियों की भी मांग पुरी हो जायेगी।

क्षेत्र में अवैध कॉलोनियों में मूलभूत सुविधाएं प्रदान की जाये- विधानसभा सत्र के दौरान मंगलवार को जैन द्वारा मंदसौर विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत अवैध कॉलोनियों में मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने की मांग की गई है। विधायक श्री जैन ने तारांकित प्रश्न क्रमांक 1335 अंतर्गत 74 चिन्हित अनाधिकृत कालोनियो का मामला उठाते हुये कहा कि इन सभी कॉलोनीवासी आज भी मूलभूत सुविधाओ से वंचित है। इन 74 कॉलोनियो में से अधिकांश मंदसौर नगर पालिका क्षेत्र में है लेकिन भारी भरकम विकास शुल्क के कारण इन अवैध कॉलोनीवासियो को मूलभूत सुविधाये प्राप्त करने में दिक्कतो का सामना करना पड रहा है। विधायक श्री जैन ने कॉलोनियो का निर्माण कर विकास नही करने वालो पर भी कार्यवाही की मांग करते हुये कहा कि अगर कठोर कदम उठाये जायेगे तो भविष्य में अवैध कॉलोनियो को अस्तित्व में आने से रोका जा सकता है।

भूखंड अर्थवा प्लांट का विभाजन होने पर विभाजित भाग पर भवन अनुज्ञा प्रदाय की जाए- शून्यकाल के दौरान मंदसौर विधायक श्री विपिन जैन ने लंबे समय से परेशान आम नागरिको की समस्या को उठाते भूखंड अर्थवा प्लांट की विभाजित भाग पर भवन अनुज्ञा प्रदाय करने की मांग की गई। विधायक श्री जैन की मांग पर नगरिय प्रशासन एवं आवास मंत्री श्री कैलाश विजयवर्गीय द्वारा बताया गया कि नगर तथा ग्राम निवेश विभाग द्वारा अनुमोदित प्लांट अर्थवा भूखंड का विभाजन म.प्र.भूमि विकास निगम 2012 के नियम 22 के अनुसार मान्य न होने के कारण विभाजित भाग पर भवन अनुज्ञा प्रदान नहीं की जा रही है। मंत्री श्री विजयवर्गीय द्वारा प्रस्तुत जवाब के प्रति उत्तर में विधायक श्री जैन द्वारा मंदसौर नगर में बडी संख्या में नगर पालिका परिषद में लंबित भूखंड विभाजित भाग पर भवन अनुमति के नियम को आंशिक रूप से शिथिल कर भवन अनुज्ञा प्रदाय किये जाने की मांग पुन: दोहरायी।

पेपर बैग का प्रचलन बढाया जाए, रोजगार को भी बढावा मिलेगा- विधायक श्री विपिन जैन ने शून्यकाल के दौरान सिंग यूज प्लास्टिक के उपयोग को कडाई से प्रतिबंधित करने की मांग करते हुये पेपर बैग के उपयोग को बढावा देने की मांग विधानसभा में रखी। उन्होनें कहा कि जुलाई 2022 में मध्य प्रदेश में सिंगल यूज प्लास्टिक के प्रतिबंध के बावजूद इसके रोकथाम पर प्रभावी कदम नहीं उठाया जा रहा है। उन्होने विधानसभा में सिंगल यूज प्लास्टिक पर कडाई से पालन की मांग करते हुये कहा कि इसके स्थान पर पेपर बैग, बायोडिग्रेडेबल प्लास्टिक निर्माण संबंधी लघु उद्योग शहर में ही स्थापित कर उनसे उत्पादित पेपर बैग का उपयोग किया जाये इससे मंदसौर शहर स्वच्छ तो होगा ही साथ ही रोजगार को भी बढावा मिलेगा। विधायक श्री जैन ने कहा कि प्लास्टिक के उपयोग से गौमाता के स्वास्थ्य पर भी प्रभाव पड रहा है और शिवना नदी का जल भी प्रदुषित हो रहा है जिसे प्रभावी तरिके से रोका जाना चाहिये।

अगर पर्याप्त संसाधन है तो रैंकिंग नीचे क्यो, मंदसौर शहर को स्वच्छता सर्वेक्षण में शीर्ष पर लाना हमारा संकल्प- विधायक श्री विपिन जैन द्वारा मंदसौर नगर पालिका द्वारा विधानसभा प्रश्न के जवाब में मंदसौर नगर पालिका के पास पर्याप्त सफाई कर्मचारी और संसाधन उपलब्ध होने के दावे के प्रति उत्तर में कहा कि अगर मंदसौर नगर पालिका के पास पर्याप्त कर्मचारीयो और संसाधनों के बावजूद देश की रैंकिंग में टॉप 50 से बाहर क्यों है। उन्होनें नपा के इस दावे को खारिज करते हुये कहा कि नए प्रतिभागी शहरों से प्रतिस्पर्धा बढ जाने के कारण स्वच्छता के मामले में रैंकिंग नीचे आ रही है। विधायक श्री जैन मंदसौर नगर पालिका द्वारा आम नागरिको की मूलभूत सुविधा स्वच्छता के मामले में उदासीनता की ओर संकेत करते हुये कहा कि पर्याप्त कर्मचारी और संसाधन के बावजुद अगर मंदसौर नगर पालिका स्वच्छता सर्वेक्षण 2023 में मंदसौर शहर की रैंकिंग नीचे गिर रही है तो यह चिंता का विषय है। उन्होनें मंदसौर नगर को स्वच्छता के मापदंड पर देश में शीर्ष स्थान पर लाने का संकल्प व्यक्त करते हुये मंदसौर नपा द्वारा स्वच्छता हेतु ओर अधिक प्रयास किये जाने की आवश्यकता बतायी।

पत्रकारों की कलम समाज के उत्थान के लिए चलती रहे-झलौया

जिला प्रेस क्लब में बसंत पंचमी पर मां सरस्वती की पूजा का आयोजन हुआ

मंदसौर, 14 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। ज्ञान और विद्या की देवी मां सरस्वती हम पत्रकारों की आराध्य देवी है। बसंत पंचमी के दिन जिला प्रेस क्लब में मां सरस्वती की पूजा का यह आयोजन सराहनीय एवं प्रेरणादायी है। यह विचार वरिष्ठ पत्रकार श्री अशोक झलोया ने बसंत पंचमी पर्व पर जिला प्रेस क्लब राम टेकरी पर सरस्वती मां के पूजा अर्चना के आयोजन में व्यक्त किए। श्री झलोया ने कहा कि आज के दिन हम मां सरस्वती से हम यही आशीर्वाद मांगते हैं कि हमारी कलम सदैव समाज के उत्थान के लिए चलती रहे। पत्रकारों का दायित्व है कि विकृतियों और विडंबनाओ के खिलाफ हमेशा अपनी कलम की धार तेज रखें। मौजूदा दौर में जनता को पत्रकारों से उम्मीद और अधिक बढ़ गई है।हमें जनता की अपेक्षाओं पर खरा उतरना होगा।

जिला प्रेस क्लब अध्यक्ष ब्रजेश जोशी ने कहा कि शिक्षा, साहित्य संस्कृति और संगीत की तरह पत्रकारिता भी मां सरस्वती के ही परिवार की विधा है। आम आदमी की आवाज पत्रकार होते हैं। राष्ट्र के नवनिर्माण में पत्रकारिता की भूमिका निर्णायक एवं महत्वपूर्ण है। बदलते दौर में पत्रकारिता के भी मायने बदले हैं हमारे सामने चुनौतियां भी हैं और दायित्व भी। मीडिया की जागरूकता से आम जनता का भरोसा पत्रकारों के प्रति और अधिक बढ़ गया है। इस अवसर पर जिला प्रेस क्लब के संरक्षक संजय पोरवाल उपाध्यक्ष गण संजय लोढ़ा, प्रकाश सिसोदिया, कोषाध्यक्ष राहुल सोनी, वरिष्ठ पत्रकार पं.अशोक त्रिपाठी, डॉ. प्रीति पाल सिंह राणा, संजय वर्मा, रमेश भाटी, लोकेश पालीवाल, जगदीश वसुनिया, शंभूसेन राठौर, रमेश चौहान, जितेन्द्र शर्मा, रूपेश सोलंकी, किशोर ग्वाला शाहिद पठान आदि उपस्थित थे। धर्मसेवी बंशीलाल टांक ने सरस्वती वन्दना प्रस्तुत की। संचालन संजय वर्मा ने किया आभार राहुल सोनी ने माना।

बसंत पंचमी पर संस्कार किड प्ले स्कूल का शुभारंभ

नारायणगढ़, 14 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। नगर के मध्य बखारिया मोहल्ला मे वरिष्ठ अतिथियों की उपस्थिति में संस्कार किड प्ले स्कूल का शुभारंभ हुआ। कार्यक्रम के प्रारंभ में संस्था के संचालक ओमप्रकाश गहलोत ने मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण कर दीप प्रज्ञित किया गया। मां सरस्वती के अवतरण दिवस पर यज्ञ का आयोजन किया गया। इस अवसर पर अतिथिके रुप मे सौरभ जी कोठारी, जिला योजना समिति सदस्य श्रीमती अनिता कोठारी, नगर परिषद नारायणगढ उपाध्यक्ष वीरेंद्र जी रूपरा, पूर्व जिला संघ चालक रामलाल जी राठौड, शिक्षाविद रामचंद्र जी करूंण, ओम प्रकाश जी शर्मा, प्रतीक साहब, पूर्व जिला पंचायत सदस्य पुष्पा जी डांगी, अजीत कुमार जी कुमठ, सर्व धर्म सामूहिक विवाह सम्मेलन कार्यवाहक अध्यक्ष नरेश जजवानी गोई, वरिष्ठ कवि एवं पार्षद प्रतिनिधि मुकेश निडर पिपलिया मंडी, डा. स्वदेश जी पाटीदार, डॉ पवन पाटीदार आदि सभी ने अपने विचार रखें।

सैकड़ो वर्ष पुराना कल्पवृक्ष

12 ×12 फीट कमरे के क्षेत्र से भी ज्यादा चौड़ाई में, 100 किलोमीटर के दायरे में ऐसा पेड़ नहीं

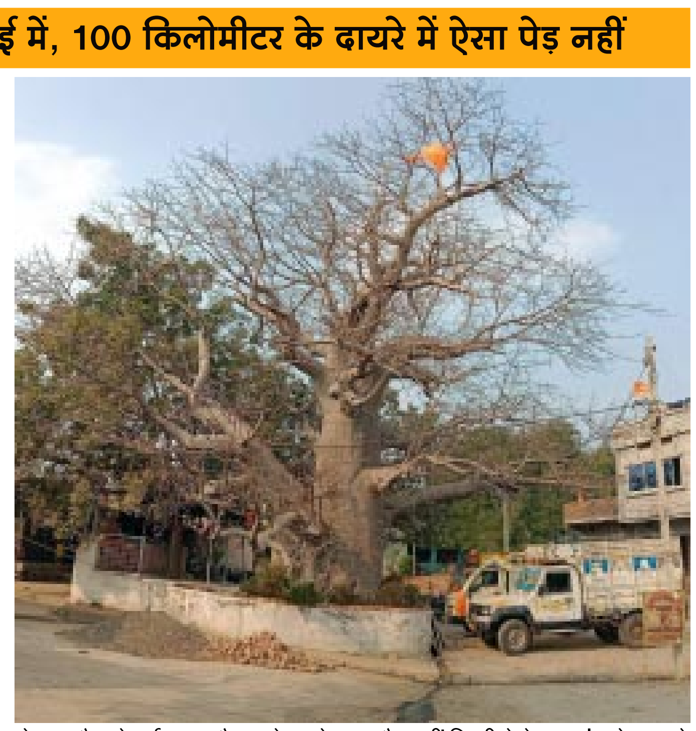

कुचड़ोद, 14 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। बसंत ऋतु पर, ऋतु परिवर्तन के साथ पतझड़ शुरू हो जाता है। पुराने पत्ते नीचे झड़ने एवं नए पत्ते आने की शुरूआत हैं। इसे ही बसंत ऋतु कहते हैं। पर गांव में एक ऐसा विशालकाय कल्प वृक्ष है। जिसकी पत्तियां वर्षा ऋतु प्रारंभ के समय 10 जून के बाद आती है। और दिसंबर से पहले पत्तियां झड़ जाती है। यह कल्पवृक्ष ऐसा विशालकाय है कि आसपास के 100 किलोमीटर के दायरे में कहीं पर भी ऐसा वृक्ष नहीं है। इसकी मोटाई चौड़ाई 10 लोगों की बाहों में भी नहीं आती है। इसकी गोलाई एक बड़े कमरे के बराबर है। इसकी उंचाई भी करीब 50 फिट है। ग्रामीण बताते हैं, कि हमारे पूर्वज भी कल्प वृक्ष को ऐसा ही देखते आ रहे। यहां 50 फीट के दायरे में ही एक और विशालकाय वृक्ष था। जो नर एवं मादा का जोड़ा था। नर वृक्ष के फूल आते थे। वही मादा वर्तमान में खड़े वृक्ष के नारियल के आकार के फल भी आते थे। ग्रामीण महिलाएं सोमवती पूर्णिमा को इस विशालकायकल्प वृक्ष की पूजन करती है। एवं कल्पवृक्ष के नीचे बैठकर भोजन करती है।

गांव के बुजुर्ग कन्हैयालाल रोडवार 95, नारायण सिंह पंवार 80, शंकर लाल प्रजापत 78, गोवर्धन लाल तेली 75 बताते हैं। कि हमारे दादाजी एवं पूर्वज भी इस कल्प वृक्ष को ऐसा ही देखते आ रहे हैं। सैकड़ो वर्षों से इसके आकार में कोई फर्क नहीं देखा गया। भले ही इसका नाम कल्पवृक्ष है। पर हमारे गांव एवं आसपास के गांवों में हजार रुक नाम से विख्यात है। क्योंकि यह वृक्ष काफी पुराना होकर, सैकड़ो वर्ष पुराना है। पहले इसके पास में ही ऐसा ही एक ओर विशालकाय वृक्ष और था। दोनों पेड़ नर एवं मादा का जोड़ा था। उस नर वृक्ष के आसपास गंदगी कूड़ा करकट के कारण, कीड़ा लगने से वह वृक्ष सुख गया। इसके बाद इस मादा वृक्ष पर फल आने बंद हो गए। फल आते हैं, पर छोटे-छोटे नींबू आकर के होकर नीचे गिर जाते हैं। पहले नारियल से भी बड़े आकार के फल होते थे। यह एक ऐसा विशालकाय कल्पवृक्ष है। ऐसा विशालकाय कल्प वृक्ष आसपास के 100 किलोमीटर के दायरे में नहीं है। और नहीं किसी ने देखा। गांव से गुजरने वाले यात्री भी इसके दर्शन करते हैं। यह पहला वृक्ष है, जिसकी जून महीने में पत्तियां आती है। और दिसंबर तक सभी पत्तियां झड़ जाती है। यह कल्पवृक्ष 6 महीने तक बिना पत्तियों के रहता है। सैकड़ो वर्षों से ऐसा ही दिखने के कारण, इस कल्पवृक्ष का नाम हजार रुक पड़ गया। बता दे इसके तने की लकड़ी रुई के समान, बिना कांटे वाली होती है। यह वृक्ष काफी मुलायम दिखता है। गांव की सीमा में ऐसे तीन वृक्ष और हैं। पर वह काफी छोटे हैं। वह भी सैकड़ो वर्ष पुराने हो चुके हैं।

सरस्वती विद्या मंदिर में मां सरस्वती का प्राकट्य दिवस व समर्पण दिवस बसंत पंचमी का पर्व मनाया

मंदसौर, 14 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। सरस्वती विद्या मंदिर सीबीएसई संजीत मार्ग, मंदसौर के भैया बहनों के द्वारा माँ सरस्वती प्रकटोत्सव व समर्पण दिवस का पर्व पूरी श्रद्धा भक्ति व विश्वास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर मां सरस्वती का पूजन अर्चन किया गया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि विद्या भारती सेवा क्षेत्र शिक्षा के अखिल भारतीय संयोजक श्री रामस्वरूप शर्मा ने अपने उद्बोधन के माध्यम से बसंत पंचमी के महत्व को विभिन्न प्रेरणादायी उदाहरण देकर एवं कहानियों के माध्यम से बताया व विद्यार्थियों का मार्गदर्शन किया साथ ही विद्या प्रतिष्ठान मालवा के प्रांत प्रमुख श्री पंकज पंवार, सरस्वती विहार शैक्षिक संस्थान के प्रबंधक श्री सुनील शर्मा, सरस्वती विद्या मंदिर सीबीएसई व सैनिक स्कूल की प्राचार्य डॉक्टर श्रीमती सरोज प्रसाद, प्रधानाचार्य श्रीमान प्रवीण मिश्रा, उप प्राचार्य सुश्री लक्ष्मी राठौर व समस्त आचार्य परिवार उपस्थित रहे। माँ सरस्वती की आराधना में बहनों के द्वारा मधुर गीत की प्रस्तुति के पश्चात कक्षाचार्यों के द्वारा कक्षा के प्रतिनिधियों के साथ मिलकर माँ सरस्वती के समक्ष समर्पण अर्पित किया गया। सभी ने एक दूसरे को बसंत पंचमी के शुभ अवसर की हार्दिक शुभकामनाएँ दी व माँ सरस्वती के आशीर्वाद से सबका जीवन ज्ञान की ज्योति से प्रकाशमय हो, यही कामना की गई।

जिले के 14 गांवो में आज राजस्व सेवा शिविरों का आयोजन

नीमच, 14 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। कलेक्टर श्री दिनेश जैन के मार्गदर्शन में नीमच जिले में राजस्व विभाग से संबंधित ग्रामीणों की समस्याओं के निराकरण के लिए विशेष राजस्व सेवा अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान के तहत आज 15 फरवरी 2024 गुरुवार को प्रात: 11 से सायं 4 बजे तक जिले की सभी तहसीलों के 14 ग्रामों में राजस्व अधिकारियों द्वारा विशेष राजस्व शिविर लगाया जाएगा। इस अभियान के तहत नीमच नगर तहसील के ग्राम डूंगलावदा एवं जयसिहुपरा, नीमच ग्रामीण तहसील के ग्राम दारू एवं पिपलोन, जीरन तहसील के गाँव चल्दूस, जावद तहसील के ग्राम तुम्बाण एवं कुण्डाला, मनासा तहसील के ग्राम रायसिंगपुरा, धाकडखेडी एवं खडावदा, सिंगोली तहसील के ग्राम फुसरिया, डोराई एवं झांतला, रामपुरा तहसील के गाँव पालडा में राजस्वक सेवा शिविर आयोजित किये जा रहे है। कलेक्टर श्री दिनेश जैन ने अधिकाधिक ग्रामीणों से इन राजस्व सेवा शिविरों में उपस्थित होकर लाभ उठाने का आग्रह किया है। उन्होंने ने सम्बन्धित राजस्व अधिकारियो और पटवारियों को निर्देश दिए है, कि वे कोटवारों के माध्यम से सम्बन्धित गाँव में शिविरों की सूचना ग्रामीणों और किसानो को उपलब्ध करवाना सुनिश्चित करे।

भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा द्वारा इब्राहिम शेरानी प्रभारी एवं शाकिर हुसैन गढ़वी सहप्रभारी नियुक्त

मंदसौर, 14 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। भारतीय जनता पार्टी प्रदेश अध्यक्ष श्री विष्णुदत्त शर्मा, प्रदेश महामंत्री श्री हितानंद शर्मा, अल्पसंख्यक मोर्चा के प्रदेश प्रभारी श्री प्रभुदयाल कुशवाह की सहमति से अल्पसंख्यक मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष श्री एम एजाज खान के निर्देश पर आगामी लोकसभा चुनाव को दृष्टिगत रखते हुए अल्प संख्यक मोर्चा के लोकसभा प्रभारी एवं सहप्रभारी की नियुक्ति की गई जिसमें मन्दसौर जिला के प्रभारी पद पर इब्राहिम शेरानी रतलाम एवं सहप्रभारी शाकिर हुसैन गढ़वी मन्दसौर को नियुक्त किया गया है। श्री शाकिर हुसैन गढ़वी के लोकसभा सहप्रभारी बनाये जाने पर इष्टमित्रों ने बधाई एवं शुभकामनाएं प्रेषित की।

भूमि आवंटित करने में आपत्ति 20 तक प्रस्तुत करें

मंदसौर, 14 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। तहसीलदार तहसील मल्हारगढ़ द्वारा बताया गया कि आवदेक उप मुख्य अभियंता (निर्माण-1) रतलाम के द्वारा नीमच-रतलाम रेल्वे दोहरीकरण परियोजना हेतु ग्राम खात्याखेड़ी तहसील मल्हागढ़ के सर्वे क्रं. 242, 245/2, 252/1, 252/2, 253 किता 5 रकबा क्रमश: 0.400, 0.860, 0.350, 1.030, 1.540 हें. भूमि में नीमच-रतलाम रेल्वे दोहरीकरण परियोजना के लिये भूमि आबंटन हेतु आवेदन प्रस्तुत किया गया है। भूमि आबंटन संबंधी प्रकरण न्यायालय के समक्ष विचाराधीन है। इस संबंध में जिस किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई आपत्ति हो वह प्रकरण नियत पेशी दिनांक 20 फरवरी 2024 तक स्वयं अथवा किसी वैद्य प्रतिनिधि के माध्यम से प्रस्तुत कर सकता है।

पिछड़ा वर्ग पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति के लिए आवेदन 25 तक करें

मंदसौर, 14 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। सहायक संचालक पिछड़ा वर्ग तथा अल्पसंख्यक कल्याण विभाग द्वारा बताया गया कि पिछड़ा वर्ग पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति योजना के शैक्षणिक सत्र 2023-24 के नवीन एवं नवीनीकरण छात्रवृत्ति के आवेदन 25 फरवरी 2024 तक कर सकते है। साथ ही छात्रवृत्ति पोर्टल 2.0 पर शैक्षणिक सत्र 2023-24 के नवीनीकरण आवदेन भी कर सकते है। अधिक जानकारी के लिये पिछड़ा वर्ग तथा अल्पसंख्यक कल्याण विभाग में संपर्क कर सकते है।

महाराज खटवांग जयंती धूमधाम से मनाई

मंदसौर, 14 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। क्षत्रिय खटीक समाज नवयुवक मंदसौर द्वारा 14 फरवरी को खटीक समाज के आराध्य देव महाराजा खटवांग जयंती संजय गांधी उद्यान में धूमधाम से मनाई गई।

इस अवसर पर समाज अध्यक्ष श्री रमेश डीडवानिया एवं समाज के गणमान्य नागरिकों द्वारा महाराजा खटवांग की महाआरती की गई। उसके पश्चात महाप्रसादी का वितरण किया गया। कार्यक्रम में विशेष रूप से मालवा पुण्यात सेवा समिति इंदौर व उज्जैन संभाग अध्यक्ष लक्ष्मीनारायण बोरीवाल, उपाध्यक्ष दिलीप सांवरिया, कोषाध्यक्ष जगमोहन खिंची, मंदसौर जिलाध्यक्ष रवि सुरावत, मालवा सेना के प्रदेश अध्यक्ष रूपचंद खिंची, शहर अध्यक्ष देवीलाल खिंची, भंवरलाल सुरावत, कन्हैयालाल सांवरिया, पटवारी किशोरीलाल चंदेल, कैलाश सौलंकी, मनोज सांवलिया, मुकेश टिप्पण, सहित बड़ी संख्या में समाजजन व माताएं बहने उपस्थित रही।

कांतिलाल राठौर अभा तेली महासभा के राष्ट्रीय महासचिव बने

मंदसौर, 14 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। अखिल भारतीय तेली महासभा राष्ट्रीय प्रवक्ता रामलाल तेली पचलोड़िया ने बताया कि अखिल भारतीय तेली महासभा राष्ट्रीय संयोजक तेली यशवंत कुमार गुप्त, राष्ट्रीय मुख्य संरक्षक महिला मंडल श्रीमती जशोदाबेन मोदी, राष्ट्रीय संरक्षक तेली राधेश्याम गुप्त की अनुशंसा एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष तेली ठाकुर प्रसाद गुप्ता के अनुमोदन पर, राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष तेली बाबूलाल राठौर ने कार्यकारिणी का विस्तार करते हुए कांतिलाल राठौर एडवोकेट को राष्ट्रीय महासचिव के पद पर मनोनित किया है। नवनियुक्त राष्ट्रीय महासचिव कांतिलाल राठौर ने बताया कि उन्हें दिये गये इस दायित्व के लिये वह राष्ट्रीय पदाधिकारियों के आभारी है तथा जल्द ही महासभा की राष्ट्रीय मुख्य संरक्षक महिला मंडल श्रीमती जशोदाबेन नरेन्द्र मोदी ने भी जल्द ही भगवान पशुपतिनाथ की नगरी मंदसौर आने का आश्वासन दिया है। उल्लेखनीय है कि प्रसिद्ध एडवोकेट कांतिलाल राठौर पूर्व में कई राजनीतिक एवं सामाजिक पदों को सुशोभित कर चुके है तथा उनकी इस राष्ट्रीय नियुक्ति पर मध्यप्रदेश सहित राजस्थान, महाराष्ट्र, गुजरात क्षेत्र के तेली समाजजनों में हर्ष व्याप्त है तथा सभी ने श्री राठौर को बधाईयां प्रेषित की है। यह जानकारी समाज के प्रदेश संगठन मंत्री ओमेश राठौर मंदसौर ने दी है।

सफलता की कहानी

जल जीवन मिशन के कारण सज्जन बाई के घर की तस्वीर बदल गई

मंदसौर, 14 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। जल जीवन मिशन के कारण श्रीमती सज्जन बाई के घर की तस्वीर बदल गई। श्रीमती सज्ञन बाई ग्राम पायाखेड़ी की रहने वाली है। ये कहते है की, हैण्डपम्प चलाते-चलाते हम थक जाते। गहराई में पानी होने की वजह से बच्चों के लिये बड़ी मुश्किल से पीने लायक पानी ला पाते थे। शौचालय के लिये पानी की व्यवस्था करना मुश्किल था। लेकिन जल जीवन मिशन ने हमारे घर की तस्वीर ही बदल दी। हमने घर पर नल की टोंटी भी लगवा ली है। इससे अब घर में पानी की दिक्कत नहीं आती। सज्ञन बाई कहती हैं की, हैण्डपम्प से पानी भरने में हमारा जो समय खराब होता था। उसका उपयोग अब हम बच्चों को पढ़ाई पर करते है।

किसान नेता बंशीलाल गुर्जर को म.प्र.से राज्यसभा प्रत्याशी बनाने का...

भाजपा में देर है, पर अंधेर नहीं

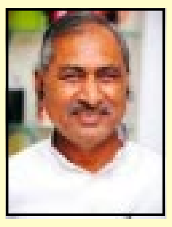

मंदसौर, 14 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। विगत 45 वर्षों र्से मंदसौर जिले के लालघाटी नामक स्थान से सामाजिक एवं राजनीतिक दृष्टिसे सेवा करने वाले तथा राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के निष्ठावान स्वयंसेवक एवं पंच से लेकर कृषि उपज मंडी समिति अध्यक्ष, जनपद एवं जिला पंचायत में अपना प्रतिनिधित्व रखने वाले श्री बंशीलाल गुर्जर एक मैदानी तथा किसानों के बीच के नेता हैं।

भारतीय जनता पार्टी हो या सरकार अथवा अन्य किसी फ्रंट पर भी वह हमेशा किसानों की वकालत करने में पीछे नहीं रहते हैं इसलिए वे एक किसान नेता के रूप में पहचाने जाते हैं। राजनीति में पद कोई तश्तरी में पेश नहीं करता उसे संघर्ष और प्रयासों से प्राप्त किया जाता है और श्री बंशीलाल गुर्जर ने अपने प्रारंभिक जीवन से ही किसी से पद की मांग नहीं की, बल्कि अपने पुरुषार्थ एवं लोकप्रियता के बल पर सारे पद प्राप्त किये। यद्यपि विधायक और सांसद बनना उनका एक स्वप्न अवश्य था, किंतु जब-जब टिकट की उम्मीद बनी थी, एक नया नाम सामने आया परंतु उसके बाद भी उन्होंने कभी पार्टी को उलाहना नहीं दिया और ना ही किसी प्रकार की टीका- टिप्पणी अथवा पार्टी के विरोध में एक शब्द भी नहीं कहा। पार्टी ने उनकी योग्यताओं के अनुसार उन्हें भारतीय किसान मोर्चा का प्रदेश अध्यक्ष, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष, नीति आयोग का सदस्य, किसान आयोग का अध्यक्ष, मध्य प्रदेश मंडी बोर्ड का सदस्य, इत्यादि बड़े दायित्व सौंपे, किंतु अब एक बड़ी पंचायत के सदस्य के रूप में उनका नाम आना पूरे मंदसौर अंचल ही नहीं संपूर्ण मध्य प्रदेश के किसानों एवं कार्यकर्ताओं के लिए गर्व का विषय है। हम यह कामना करते हैं कि, राज्यसभा में जाने के बाद आप केंद्रीय मंत्री के दायित्व तक पहुंचे तो अवश्य आप अपनी योग्यता वहां प्रस्तुत कर सकेंगे ऐसा हमारा विश्वास है।

रमेशचन्द्र चन्द्रे

राज्यसभा का टिकट दिया श्री गुर्जर को, यह काम भाजपा ही कर सकती है

मंदसौर, 14 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। लालघाटी मंदसौर के बंसीलाल गुर्जर को राज्यसभा का टिकट दिया गया है। यह काम भाजपा ही कर सकती है। बंसीलाल किसान के बेटे हैं, भाजपा ने मंदसौर संसदीय क्षेत्र में जावरा से लेकर सिंगोली घाटे तक दो सौ से अधिक नेता तैयार किए हैं। नए नेतृत्व के कारण जनसंघ के जमाने से लेकर भाजपा तक पहुंचने तक पार्टी मजबूती से खड़ी है।

लोकसभा चुनाव सिर पर हैं, एक डेढ़ पखवाड़े में चुनाव तिथियां घोषित होने के आसार हैं, वैसे भी संसदीय क्षेत्र की मंदसौर सीट को छोड़ शेष सात विधानसभा सीटों पर भाजपा का कब्जा है। श्री गुर्जर के राज्यसभा में जाने पर मौजूदा सांसद श्री सुधीर गुप्ता एवं उनके समर्थकों को राहत मिल गई। श्री गुर्जर के पहले राज्यसभा में डॉ. रघुवीरसिंह, श्री बालकवि बैरागी (दोनों कांग्रेस), श्री रघुनंदन शर्मा (भाजपा) एक-एक कार्यकाल तक राज्यसभा में मंदसौर संसदीय क्षेत्र का नाम गौरवान्वित कर चुके हैं। पिछले पांच दशक से श्री बंसीभाई संगठन के छोटे पद से लेकर प्रदेश भाजपा महामंत्री तक तथा किसान मोर्चा के राष्ट्रीय पदाधिकारी तक रहे। कृषि उपज मंडी मंदसौर के अध्यक्ष रहते हुए प्रदेश में मंडी का दर्जा अग्रणी लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। बंसीभाई को उनके समर्थक पहले विधायक तथा बाद में लोकसभा में सांसद बनने की अभिलाषा पिछले चार दशकों से रखे हुए थे। आम चुनाव में इस लोकसभा सीट की उम्मीदवारी में इनका नाम शुमार था किन्तु भाजपा हायकमान ने किसानों तथा गुर्जर समाज को संतुष्ट करते हुए यह अवसर प्रदान कर दिया।

भाजपा श्रेष्ठि नेतृत्व चुनाव को चुनौति के रूप में लेकर हर वर्ग, प्रमुख समाजों को जोड़ने के लिये प्रयत्नशील रहा है, एक तथा तीन बार के विधायक को मुख्यमंत्री बनाने का प्रयोग पिछले विधानसभा चुनाव में किया है। मंदसौर लोकसभा चुनाव में कांग्रेस के लिये चुनौती और बढ़ गई है। संसदीय क्षेत्र से उपमुख्यमंत्री श्री जगदीश देवड़ा, सांसद राज्यसभा बंसीलाल गुर्जर, पूर्व मंत्री हरदीपसिंह डंग, ओमप्रकाश सखलेचा, विधायक राजेन्द्र पांडे, दिलीपसिंह परिहार, चंदरसिंह सिसौदिया, माधव मारू, भाजपा लोकसभा उम्मीदवार के लिये ढाल बनकर खड़े रहेंगे। और कांग्रेस ...! किसे अपना उम्मीदवार बनाती है इसका निर्णय होते ही यानि पलक झपकते ही पता चल जाएगा कि जनता की निगाह में वह उम्मीदवार किस मुकाम तक रहेगा। लोकसभा चुनाव उम्मीदवारों की घोषणा के बाद राजनीतिक सरगर्मी आरंभ होगी। वैसे पिछल विधानसभा चुनाव में भाजपा के सात सीटों के जीत के आंकड़े पौने दो लाख वोट अधिक हैं। कांग्रेस हायकमान सही उम्मीदवार उतारेगा या तिकड़म, गुटबाजी के आधार पर अपना फैसला सुनाएगा। इस निर्णय की प्रतीक्षा लगभग 19 लाख मतदाता कर अपना फैसला मतदान के जरिए सुना देंगे।

विक्रम विद्यार्थी, मंदसौर

पीएम मोदी ने यूएई के पहले हिंदू मंदिर का किया उद्घाटन

अबू धाबी, 14 फरवरी। राजस्थान के गुलाबी बलुआ पत्थरों से निर्मित अबू धाबी के पहले हिंदू मंदिर का भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उद्घाटन किया। यह मंदिर अपनी भव्यता से दुनियाभर के लोगों को आकर्षित कर रहा है। 27 एकड़ में बना 108 फुट उंचा यह मंदिर वास्तुशिल्प का चमत्कार माना जा रहा है। मंदिर में संतों के साथ प्रधानमंत्री मोदी ने पूजा अर्चना की।

दुनिया भर की कई बड़ी हस्तियां इस वक्त कार्यक्रम में मौजूद है। अभिनेता अक्षय कुमार भी समारोह में शिरकत करने पहुंच गए हैं। उनके साथ बीएपीएस के अधिकारी भी मौजूद हैं। अबू धाबी स्थित पहले हिंदू मंदिर में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पहुंचे। इस दौरान उन्होंने वहां मौजूद लोगों का हाथ हिलाकर अभिवादन किया। अबू धाबी में बोचासनवासी अक्षर पुरुषोत्तम स्वामीनारायण संस्था (बीएपीएस) हिंदू मंदिर में लोगों की भारी भीड़ देखी जा रही है। बड़ी संख्या में लोग पीएम मोदी के नाम के नारे लगा रहे हैं। यह मंदिर सांस्कृतिक और आध्यात्मिक महत्व का केंद्र बिंदु बन गया है।

पीएम मोदी के स्वागत में बुर्ज खलीफा भारतीय तिरंगे से जगमगा उठा–यूएई दौरे पर पहुंचे पीएम मोदी के स्वागत के लिए बुर्ज खलीफा भारतीय तिरंगे से जगमगा उठा है। अपनी यात्रा के दौरान पीएम मोदी ने यूएई के राष्ट्रपति के साथ बातचीत की। इस बीच, बुर्ज खलीफा को तिरंगे में रंग दिया गया। बुधवार को 2024 विश्व सरकार शिखर सम्मेलन में प्रधानमंत्री मोदी के भाषण से पहले मंगलवार को बुर्ज खलीफा को गेस्ट ऑफ ऑनर रिपब्लिक ऑफ इंडिया शब्दों से रोशन किया गया था।

प्रधानमंत्री मोदी के समृद्ध किसान का संकल्प होगा पूरा–उप मुख्यमंत्री देवड़ा

नाबार्ड प्राथमिकता क्षेत्र के लिए 2,84,455 करोड़ रुपए ऋण संभाव्यता का आंकलन, पिछले साल से 9.99% ज्यादा, नाबार्ड की सराहना, 19 संस्थाएं सम्मानित

भोपाल, 14 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। उप मुख्यमंत्री श्री जगदीश देवड़ा ने आज भोपाल में नाबार्ड की राज्य ऋण संगोष्ठी को संबोधित करते हुए मध्य प्रदेश की अर्थव्यवस्था को गति देने के लिए नाबार्ड की टीम के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने किसानों की समृद्धि का संकल्प दोहराया है उसे पूरा करने में मदद मिलेगी। उन्होंने कहा कि नाबार्ड, राज्य सरकार और मेहनती किसान मिलकर प्रदेश को नई उंचाइयों पर ले जाएंगे। श्री देवड़ा ने बैंकों से आग्रह किया है कि वे सूक्ष्म खाद्य प्रसंस्करण उद्योगों को बढ़ावा देने में सक्रिय रूप से आगे बढ़े। उल्लेखनीय है कि वर्ष 2023-24 के लिए नाबार्ड ने 2,58,568 करोड़ रुपए का आकलन किया था। कार्यक्रम में उल्लेखनीय कार्य के लिए 19 संस्थाओं के प्रतिनिधियों को सम्मानित किया गया।

प्रदेश में विकास कार्यों को गति देने के लिए राज्य शासन की पहल पर राष्ट्रीय ग्रामीण एवं कृषि विकास बैंक- नाबार्ड ने वर्ष 2024-25 के लिए प्राथमिकता क्षेत्र के लिए 2,84,455 करोड रुपए ऋण संभाव्यता का आकलन किया है। यह पिछले साल की तुलना में 9.99% ज्यादा है। इससे किसानों और छोटे व लघु उद्योगों से जुड़े कामगारों और राज्य की कृषि आधारित अर्थव्यवस्था पर सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। संगोष्ठी में कृषि उत्पादन आयुक्त श्री एसएन मिश्रा, क्षेत्रीय निदेशक रिजर्व बैंक ऑफ़ इंडिया सुश्री रेखा चंदनावेली मुख्य महाप्रबंधक श्री सुनील कुमार संयोजक एसएलबीसी श्री तरसेम सिंह जीरा उपस्थित रहे। उल्लेखनीय है कि संभावित ऋण की 63.50 प्रतिशत राशि कृषि क्षेत्र के लिए दी जाएगी जबकि एमएसएमई सेक्टर के लिए 31.50% और शेष शिक्षा, आवास, नवकरणीय ऊर्जा जैसे प्राथमिकता वाले क्षेत्रों पर खर्च होगी।

मुख्य रूप से फसल उत्पादन, विपणन संधारण, जल संसाधन, कृषि मशीनीकरण, उद्यानिकी, सेरीकल्चर, वानिकी, पशुपालन, मत्स्य पालन, कृषि अधोसरचना खाद्य एवं कृषि प्रसंस्करण, सूक्ष्म ऋण और वित्तीय समावेश जैसे क्षेत्रों के लिए दी जाएगी। जल संसाधनों के संवर्धन और विस्तार के लिए 11,022 करोड रुपए की ऋण संभावना आँकी गई है। कृषि मशीनीकरण के लिए 15,977 करोड़, उद्यानिकी क्षेत्र के लिए 5,477 करोड़, वानिकी और जल संग्रहण क्षेत्र

के विकास के लिए 676 करोड़ रूपये, पशुपालन के लिए 15,318 करोड़, मछली पालन के लिए 935 करोड़, कृषि अधोसरचना के लिए 4,405 करोड़ खाद्य एवं कृषि संस्करण के लिए 7,430 करोड़ और एमएसएमई के लिए 89,471 करोड रुपए नवकरणीय ऊर्जा के लिए 796 करोड़ रुपए की ऋण की सम्भावना आंकी गई है।

श्री गुर्जर को राज्यसभा का उम्मीदवार बनाये जाने पर भाजपा कार्यकर्ताओं ने किया स्वागत

आतिशबाजी कर मिठाई बांट मनाई खुशियां, गुर्जर ने केंद्रीय नेतृत्व को दिया धन्यवाद

मंदसौर, 14 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। भाजपा के केंद्रीय नेतृत्व के द्वारा मध्यप्रदेश के राज्यसभा चुनाव हेतु भाजपा किसान मोर्चा राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री बंशीलाल गुर्जर को उम्मीदवार बनाये जाने पर भाजपा के कार्यकर्ताओं ने श्री गुर्जर के निवास स्थान पर पहुंचकर उनका स्वागत किया। भाजपा की केंद्रीय चुनाव समिति ने मध्यप्रदेश की राज्यसभा की सीटों के लिये 4 उम्मीदवारों की घोषणा की है। इनमें श्री बंशीलाल गुर्जर का नाम भी शामिल है। यह समाचार प्राप्त होते ही भाजपा के कार्यकर्ताओं ने श्री गुर्जर के लालघाटी निवास पर पहुंचकर उनका पुष्पहारों से स्वागत किया तथा मिठाई खिलाकर उन्हें राज्यसभा का उम्मीदवार बनने पर बधाई दी। भाजपा के कई कार्यकर्ताओं ने उनके निवास स्थान के बाहर आतिशबाजी भी की और अपनी प्रसन्नता की अभिव्यक्ति भी की।

नपाध्यक्ष श्रीमती रमादेवी गुर्जर को भी इस अवसर पर भाजपा के कार्यकर्ताओं ने शुभकामनाएं दी। श्री गुर्जर का भाजपा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य अनिल कियावत, भाजपा के वरिष्ठ नेता गजराज जैन, कृषि वैज्ञानिक नरेन्द्र सिपानी, पूर्व जिला पंचायत सदस्य निहालचंद मालवीय, जनपद पंचायत अध्यक्ष बसंत शर्मा, उपाध्यक्ष प्रतिनिधि विरम धनगर, सरपंच संघ जिलाध्यक्ष लालाभाई गुर्जर, भाजपा नेता तेजपालसिंह शक्तावत, विनय दुबेला, सुनील जैन महाबली, जीवन गोसर, भानुप्रतापसिंह सिसौदिया, नरेन्द्र बंधवार पार्षदगण कमलेश सिसौदिया, दीपक गाजवा, संजय गोयल, विक्रम भैरवे, अमन फरक्या, आशीष गौड, मयंक मावर, कैलाश गुर्जर एडवोकेट, हस्तीमल जैन मुन्नाभाई, सुनील विजयवर्गीय, विजय पोपट, श्रेयांश हिंगड, दिलीप ग्वाला, शिव गुर्जर, मनुदेव आर्य सहित कई ने स्वागत किया।

मीडिया से चर्चा में श्री गुर्जर ने उन्हें राज्यसभा का उम्मीदवार बनाये जाने पर प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी, केंद्रीय गृहमंत्री श्री अमित शाह, भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष जे.पी. नड्डा, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष श्री बी.डी. शर्मा को धन्यवाद दिया और कहा कि केन्द्रीय नेतृत्व ने मुझ जैसे किसान कार्यकर्ता को जो इतना बड़ा सम्मान दिया है उसके लिये मैं आभारी हॅूं। मैंने जीवन भर किसानों के हितों के लिये काम किया है और आगे भी किसानों के हितों के लिये पार्टी के माध्यम से अपना काम करता रहूंगा। किसानों को उनकी उपज का पूरा दाम मिले इसके लिये मोदीजी की सरकार जो काम कर रही है वह सराहनीय है। किसानों को खेती की लागत से 50 प्रतिशत मुनाफा उनकी उपज के माध्यम से प्राप्त हो, हमारी सरकार इस दिशा में काम कर रही है। किसानों के जीवन को कैसे बेहतर बनाया जाए यह मोदी सरकार का विजन रहा है और इस दिशा में मोदीजी की सरकार काम कर रही है। राज्यसभा का उम्मीदवार बनाकर भाजपा संगठन ने मुझे जो अवसर दिया है उसके लिये मैं पूरी पार्टी का आभारी हॅूं। खेती को लाभ का धंधा बनाने के लिये मोदीजी की सरकार हर संभव प्रयास कर रही है। मोदीजी ने देश में चार जातियां बताई है किसान, युवा, महिला और गरीब। इन चारों जातियों के विकास के लिये मोदीजी की सरकार काम कर रही है।

श्री गुर्जर ने किसान आंदोलन के संबंध में पूछे गये प्रश्न का उत्तर देते हुए कहा कि मोदीजी की सरकार किसानों के मुद्दे पर बातचीत को तैयार है। किसान नेताओं को सरकार से बातचीत करना चाहिये तथा आंदोलन का मार्ग अपनाने की बजाय बातचीत व चर्चा के माध्यम से किसानों की समस्याओं का समाधान खोजना चाहिये। किसान नेताओं का व्यावहारिक दृष्टिकोण रख सरकार से बातचीत करना चाहिये। मोदीजी की सरकार ने जो पिछले 10 वर्ष में जो किसानों के लिये काम किया है उसे खुले मन से देखने व समझने की जरूरत है जो काम पिछले 10 वर्ष में किसानों के लिये हुआ है उससे किसानों का जीवन स्तर पहले से बेहतर हुआ है।

रेलवे फाटक से पिपलियापंथ सड़क हुई जर्जर

धूल से परेशान रहवासी, सड़क पर पुष्पमाला अर्पित कर दी श्रद्धांजलि

पिपलियामंडी, 14 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। पिपलिया रेलवे फाटक से पिपलियापंथ के जर्जर मार्ग के नही बनने से नाराज रहवासियों ने बुधवार सुबह एकत्रित होकर जर्जर सडक पर पुष्पमाला अर्पित कर श्रद्धांजलि अर्पित कर दी। जानकारी के अनुसार रहवासी पूर्व पार्षद संतोष चौधरी, अजय गुर्जर, रतन पाटीदार, हरीश गेहलोत, अजय राजा गुर्जर, राकेश जैन, बाबू चोधरी, पवन बैरागी, ईश्वरलाल सेन, लालसिंह चन्द्रावत, विकास पोरवाल, राजू बैरागी, हरीश पेन्टर, सुनील पाटीदार, सुनील चोधरी आदि ने बताया सडक पूरी तरह जर्जर हो चुकी है, गड्ढे हो रहे है, धूल के गुबार से डेढ किलोमीटर क्षेत्र में सडक मार्ग पर रहने वाले रहवासी परेशान है, नगर परिषद् को कई बार अवगत कराने के बाद भी सड़क नही बनाई गई, इसी कारण बुधवार को सुबह जर्जर सड़क पर पुष्पमाला अर्पित कर श्रद्धांजलि दी गई।

गड्ढों में तब्दील हुई सडक :– पूर्व पार्षद संतोष चोधरी का कहना है रेलवे फाटक से पिपलियापंथ तक सड़क पूरी तरह गड्ढों में तब्दील हो चुकी है, इसी मार्ग पर बीच में श्मशान घाट भी है। वार्ड 1,2,3,4 के रहवासी इसी मार्ग से आते-जाते है। 8-10 बार सीएम हेल्प लाइन पर भी सड़क को बनाने के लिए शिकायत की जा चुकी है, लेकिन ध्यान नही दिया गया।

जिम्मेदार नही ले रहे सुध :– रहवासी व सेवानिवृत बीमाकर्मी हरीश गेहलोत का कहना है यह सडक करीब 10 वर्ष पूर्व बनी थी, घटिया होने से कुछ माह में ही उखड गई, मंदसौर जाने के लिए भी अधिकांश वाहन चालक इसी मार्ग का उपयोग करते है, धूल से सभी परेशान है। सड़क जर्जर हो चुकी है, नालियां टूटी हुई। जिम्मेदार सुध नही ले रहे है।

एक माह पूर्व हुआ था विवाद :– रेलवे फाटक से पिपलियापंथ तक की सड़क नही बनाए जाने सहित अन्य मांगों को लेकर पूर्व पार्षद संतोष चोधरी व नप अध्यक्ष प्रतिनिधि सुनील देवरिया के बीच 14 जनवरी 2024 को विवाद भी हो गया था। इस दौरान बड़ी संख्या में दोनों पक्ष के लोग पुलिस चोकी भी गए थे, लेकिन किसी ने शिकायत दर्ज नही कराई थी।

टेण्डर हो चुका है :– नगर परिषद् अध्यक्ष प्रतिनिधि सुनील देवरिया का कहना है उक्त सड़क डामरीकरण बनाए जाने को लेकर टेण्डर प्रक्रिया हो चुकी है, राशि नही आने के कारण काम रुका हुआ है, राशि आते ही जल्द कार्य शुरु कर दिया जाएगा।

तलाश कर बताता हूं :– सीएमओ प्रमोद जैन का कहना है इस मामले में मुझे पूरी जानकारी नही है, मंदसौर कलेक्ट्रेट मिटिंग में हूं। मार्ग क्यों नही बना तलाश कर बताता हूं।

रासेयो शिविर का दूसरा दिन महिला सशक्तिकरण दिवस के रूप में मनाया

पिपलियामंडी, 14 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। शासकीय महाविद्यालय पिपलिया की राष्ट्रीय सेवा योजना की ओर से गांव गुड़भेली बड़ी में चल रहे शिविर का दूसरा दिन महिला सशक्तिकरण दिवस के रूप में मनाया, स्वयंसेवक शिविर नायक सत्यप्रकाश राठौड़ ने बताया प्रात: सभी स्वयंसेवकों ने प्रभात फेरी निकाली, श्रमदान कर शासकीय माध्यमिक

विद्यालय परिसर की सफाई, गाजर घास उन्मूलन का कार्य किया। बौद्धिक कार्यक्रम में अतिथि शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय मंदसौर प्राध्यापक प्रेरणा मित्रा ने कहा महिलाएं इस प्रकृति का आधा अंग है, जो हर परिस्थिति में ढलने का गुण रखती है, भारतवर्ष में महिलाएं पूजनीय रही है, हमें सशक्तिकरण की आवश्यकता नहीं, केवल हमारी परंपरागत सोच में परिवर्तन करने की आवश्यकता है। हम स्वयं सशक्त हो जाएगी। पिपलिया महाविद्यालय प्रो. निशा जाटिया ने महिलाओं के विषय में संवैधानिक एवं सामाजिक प्रावधानों का उल्लेख किया और बताया कि शासन और समाज में महिलाओं के लिए सहयोग करता है, हमें भी संघर्ष करना चाहिए। आंगनवाड़ी कार्यकर्ता श्रीमती अंगुरबाला ने अपने जीवन में संघर्ष की कहानी बताई, ग्राम की वरिष्ठ महिला सुगनाबाई ने सभी छात्राओं को बेटी के समान मानते हुए सामाजिक नियमों से अवगत कराया, साथ ही महिला सशक्तिकरण और बसंत पंचमी पर्व पर सभी ने माता सरस्वती का गायन किया। संचालन कविता सोलंकी ने किया। इस अवसर पर कन्हैयालाल लोहार, अरुण नारगांवे, दयानंद पाटीदार, दशरथ पंवार आदि उपस्थित रहे।

विद्युत पेंशनरों का प्रतिनिधि मण्डल 9 सूत्रीय मांगों को लेकर उर्जा मंत्री तोमर से मिला, मांगों के निराकरण का मिला आश्वासन

मंदसौर, 14 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। विगत दिवस म.प्र. विद्युत मण्डल पेंशनर्स एसोसिएशन का प्रांतीय प्रतिनिधि मण्डल अपनी 9 सूत्रीय मांगों को लेकर भोपाल में ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्नसिंह तोमर से मिला।

इस अवसर पर प्रतिनिधि मण्डल में एसोसिएशन के प्रांतीय अध्यक्ष सुरेश जायसवाल, प्रांतीय उपाध्यक्ष खूबचन्द शर्मा, प्रांतीय कार्यकारिणी सदस्य एवं संघर्ष समिति सदस्य राधेश्याम गुप्ता, सक्रिय कार्यकर्ता रामचन्द्र चौहान आदि पदाधिकारी उपस्थित रहे। जिन्होंने ऊर्जा मंत्री श्री तोमर से पहली बार मिलने पर उनका शाल, श्रीफल एवं पुष्पगुच्छ से स्वागत किया। प्रतिनिधि मण्डल द्वारा लम्बे समय से लंबित मांगों जिनमें केन्द्र के समान महंगाई राहत, धारा 49 विलोपित करने, पेंशन की गारंटी, आयुष्मान योजना, कैशलेस बीमा, 30 जून एवं 31 दिसम्बर के सेवानिवृत्ति पर वेतन वृद्धि, एसोसिएशन की कम्पनी प्रबंधक से त्रैमासिक बैठक सुनिश्चित

करना, बिना शर्त अनुकम्पा नियुक्ति, विधवा व परित्यक्ता पुत्री को भी अनुकंपा नियुक्ति आदि मांगों के संबंध में ऊर्जा मंत्री से विस्तार से चर्चा की तथा मांगों के निराकरण की मांग की। जिस पर ऊर्जा मंत्री श्री तोमर द्वारा मांगों के बारे में सहानुभूति पूर्वक विचार करने का आश्वासन दिया। उक्त जानकारी कार्यवाहक अध्यक्ष प्रभुलाल कुमावत द्वारा दी गई।

जाट की किला पहाड़ी पर सघन पौधारोपण करवाए–कलेक्टर

कलेक्टर एवं जिला पंचायत सीईओ ने किया वाटरशेड कार्यों का निरीक्षण

नीमच, 14 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। ग्राम पंचायत जाट में स्थित ऐतिहासिक किले की पहाड़ी पर वाटरशेड के तहत सघन वृक्षारोपण करवाया जाए। प्राचीन किले पर ऐतिहासिक तथ्यों पर आधारित बोर्ड भी लगाया जाए। यह निर्देश कलेक्टर श्री दिनेश जैन ने बुधवार को जावद क्षेत्र के जाट में स्थित किला पहाड़ी पर वाटरशेड परियोजना के तहत किए गए पौधारोपण कार्य का अवलोकन करते हुए दिए। कलेक्टर ने जाट के प्राचीन किले का निरीक्षण किया और ग्रामीणों से इस किले के इतिहास के बारे में जानकारी ली। उन्होंने जनपद सीईओ को निर्देश दिए, कि वाटरशेड परियोजना के तहत इस किले की पहाड़ी पर सघन पौधारोपण करवाए। किले के बारे में ऐतिहासिक तथ्यों की जानकारी संकलित कर, किले पर एक बोर्ड भी बनवा कर लगवाएं।

कलेक्टर जैन ने जाट में वाटरशेड परियोजना के तहत 13 हेक्टेयर क्षेत्र में पहाड़ी पर 2400 से अधिक कंटूर ट्रेंच निर्माण कार्य का अवलोकन किया और जल संरक्षण के लिए वाटरशेड के तहत बनाए गए परकोलेशन टैंक तथा बोल्डर चेक डैम को भी मौके पर देखा। कलेक्टर ने कंटूर ट्रेंच निर्माण परकोलेशन टैंक निर्माण से हुए लाभ एवं जल स्तर में वृद्धि के बारे में भी ग्रामीणों से चर्चा की। कलेक्टर ने ग्राम सांडा में वाटरशेड के तहत नदी पर निर्मित स्टॉप डैम का

निरीक्षण किया और स्टाफ डैम निर्माण से हुए लाभ के बारे में जानकारी भी ली। इस अवसर पर जिला पंचायत सीईओ गुरुप्रसाद, जनपद सीईओ आकाश धार्वे, तहसीलदार शत्रुघ्न चतुर्वेदी, वाटरशेड परियोजना अधिकारी राधा मोहन त्रिपाठी सहित अन्य अधिकारी-कर्मचारी एवं ग्रामीणजन उपस्थित थे।

कलेक्टर ने किया आंगनवाड़ी केंद्र और बालिका छात्रावास का निरीक्षण

नीमच, 14 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। कलेक्टर श्री दिनेश जैन एवं

जिला पंचायत सीईओ श्री गुरुप्रसाद ने बुधवार को ग्राम जाट के भ्रमण दौरान मिनी आंगनवाड़ी केंद्र क्रमांक 5 जाट का निरीक्षण किया और आंगनवाड़ी भवन में खिड़कियां लगवाने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने आंगनबाड़ी केंद्र परिसर की बाउंड्रीवॉल बनवाने और परिसर की साफ-सफाई करवा कर, समतलीकरण करवाने के लिए निर्देश भी ग्राम पंचायत सचिव को दिए। कलेक्टर ने आंगनबाड़ी कार्यकर्ता से चर्चा कर, आंगनवाड़ी में उपलब्ध खिलौने व खेल सामग्री के बारे में भी जानकारी ली।

कलेक्टर श्री दिनेश जैन ने जाट के स्कूल परिसर में आदिम जाति कल्याण विभाग द्वारा संचालित बालिका छात्रावास का निरीक्षण किया। पुराने स्कूल भवन में संचालित इस छात्रावास भवन में अपर्याप्त कक्ष होने के कारण समीप में स्कूल के अन्य अनुपयोगी भवन का उपयोग छात्रावास के लिए करने के निर्देश दिए। कलेक्टर श्री जैन ने जनपद सीईओ को निर्देश दिए, कि स्कूल परिसर में स्थित सभी भवनों का निरीक्षण कर, उपयोग में नहीं आ रहे शाला भवनो का सुव्यवस्थित प्लान एवं एस्टीमेंट तैयार कर अनुपयोगी भवनो को उपयोग में लाने के लिए आवश्यक निर्माण एवं मरम्मत कार्य करवाए। कलेक्टर ने तहसीलदार को निर्देश दिए, कि शाला परिसर में अवैध अतिक्रमण को हटाए और ग्राम पंचायत के माध्यम से स्कूल भवन की बाउंड्रीवाल निर्माण के लिए प्रस्ताव तैयार करवा कर प्रस्तुत करें।

कृषक सुविधा केंद्र को आर्थिक आत्म निर्भरता का माध्यम बनाएं-कलेक्टर

नीमच, 14 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। कलेक्टर श्री दिनेश जैन ने बुधवार को रतनगढ़ क्षेत्र के प्रवास दौरान ग्राम पंचायत बधावा में वाटरशेड परियोजना के तहत नवनिर्मित कृषक सुविधा सह कस्टम हायरिंग सेंटर बधावा एवं जाट का निरीक्षण कर, वहां उपस्थित किसानों और कृषक उत्पादक संगठन (एफपीओ) के सदस्यों से संवाद किया।

कलेक्टर श्री जैन ने किसानों से आह्वान किया, कि वे क्षेत्र में प्रमुखता से उत्पादित होने वाली फसलों के प्रोसेसिंग का सेंटर स्थापित करें और उपज का स्थानीय स्तर पर प्रोसेसिंग कर अधिक लाभ कमाए। कलेक्टर ने किसानों से हल्दी, लहसुन एवं मूंगफली की प्रोसेसिंग के लिए मशीन स्थापित करने और खेती को लाभ का धंधा बनाने का आह्वान किया। कलेक्टर ने कहा, कि सभी विभागों के अधिकारी-कर्मचारी उनके सहयोग के लिए उपलब्ध है। वह अच्छी तरह से कृषक उत्पादक संगठन का संचालन करें और इस कृषक सुविधा केंद्र पर कस्टम हायरिंग सेंटर को क्षेत्र के किसानों के लिए आर्थिक आत्मनिर्भरता का मॉडल बनाएं।

स्प्रे-पेन्टर चाहिए
* संपर्क *
7089832581

ट्रेन की चपेट में आने... पेज 1 से जारी

कोई पहचान पत्र प्राप्त नहीं हुआ है। रेलवे प्लेटफार्म के नीचे उसका शरीर कटा हुआ मिला है। संभावना है कि वह चलती हैदराबाद ट्रेन से जावद रोड पर स्टॉपेज नहीं होने पर भी उतर रहा होगा और स्पीड ज्यादा होने की वजह से हादसे का शिकार हो गया है। युवक की पहचान के प्रयास किये जा रहे हैं। वहीं परिजनों के आने के बाद पोस्टमार्टम किया जाएगा। पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है।

कार्यालय– दीपक सैनी एडव्होकेट
गौल चौराहा नई आबादी स्कीम नंबर–2 रोड नं. 3. मंदसौर
मोबाईल 8085621888, 7987714980 फोन नंबर 07422–356589)
दिनांक– 14.02.2024

*****जाहिर सूचना *****

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि दिनेश सूर्यवंशी पिता राधेश्याम जी सूर्यवंशी जाति मेघवाल, निवासी ग्राम गोगरपुरा तहसील मल्हारगढ़ जिला मंदसौर द्वारा आवासीय मकान जो कि ग्राम पंचायत गोगरपुरा आबादी क्षेत्र में भवन पंजी क्रमांक–96 पर दर्ज होकर ग्राम गोगरपुरा वार्ड नंबर–5, गाईड लाईन अनुसार वार्ड नंबर–29 तहसील मल्हारगढ़ जिला मंदसौर है, जिसका सह स्वामित्व विधिवत रजिस्टर्ड सह स्वामित्व विलेख ई–पंजीकरण क्रमांक–एमपी249402024ए 1168189 दिनांक 09.02.2024 को सम्पत बाई सूर्यवंशी पति दिनेश सूर्यवंशी जाति मेघवाल, निवासी ग्राम गोगरपुरा तहसील मल्हारगढ़ जिला मंदसौर को बनाया गया है। उक्त मकान की चर्तु:सीमा निम्नवत है–

चर्तु:सीमा– पूर्व में–शंकरलाल धामनिया का मकान, पश्चिम में–कैलाश व मुकेश पाटीदार की भूमि, उत्तर में–रमेश मेघवाल का मकान, दक्षिण में–आम रास्ता, पैमाईश – पूर्व से पश्चिम 16.8 फीट तथा उत्तर से दक्षिण 73 फीट है। कुल क्षेत्रफल – 1226 वर्गफीट यानी 113.89 वर्गमीटर है।

उक्त संपत्ति पर दिनेश सूर्यवंशी पिता राधेश्याम जी सूर्यवंशी जाति मेघवाल द्वारा India Shelter Finance Corporation Ltd Branch Mandsaur से ऋण प्राप्त करने हेतु आवेदन प्रस्तुत कर दिया है। यदि किसी भी व्यक्ति, संस्था, बैंक आदि का भार, बोझ आदि उक्त संपत्ति पर हो या कोई आपत्ति हो तो इस जाहिर सूचना पत्र प्रकाशन से 7 दिवस के अंदर मेरे कार्यालयीन समय में लिखित में मय प्रमाण के प्रस्तुत करें। वरना बाद गुजरने मियाद किसी प्रकार की कोई आपत्ति मेरे पक्षकार पर बंधनकारी नहीं होगी। सो सूचित हो।

भवदीय
दीपक सैनी, एडव्होकेट मंदसौर

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, प्रकाशक, मुद्रक आशुतोष नवाल के लिए गुरु मीडिया एण्ड इंटरटेनमेन्ट कम्पनी, शक्ति नगर मन्दसौर से मुद्रित एवं 77 लक्ष्मीनगर, वेदान्त विहार मन्दसौर से प्रकाशित। (हर प्रकार के विवाद का न्याय क्षेत्र मन्दसौर रहेगा) संपादक– आशुतोष नवाल RNI-MPHIN2006/20356
समाचार पत्र में छपे विज्ञापनों के लिए समाचार पत्र उत्तरादायी नहीं है एवं विज्ञापनो में प्रकाशित विचार विज्ञापनदाता की निजी राय है। इससे समाचार पत्र का कोई संबंध नहीं है। फोन 495831, मो. 9425105927,28 ashugurumds@gmail.com, ashu_guru2@yahoo.co.in